समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• फरवरी २०२४ • वर्ष ७५ • अंक ०२

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

राजस्थानी भाषा साहित्य सम्मान समारोह संपन्न

२१ फरवरी २०२४: सम्मेलन का राजस्थानी भाषा साहित्य सम्मान-२०२२ बालीगंज स्थित हल्दीराम बैंक्वेट में आयोजित हुआ। चित्र में परिलक्षित हैं- राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष सराफ, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिनेश कुमार जैन, निवर्तमान उपाध्यक्ष भानीराम सुरेका, राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी, वित्त समिति के चेयरमैन आत्माराम सोंथलिया, पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री रतन लाल साह, मारवाड़ी युवा मंच के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रमोद साह एवं राजस्थानी भाषा साहित्य सम्मान-२०२२ से सम्मानित राजस्थानी के विशिष्ट साहित्यकार बंशीधर शर्मा तथा बाल साहित्य एवं शिक्षाविद डॉ. मदन गोपाल लढ़ा।

संस्कार-संस्कृति पर प्रभावी प्रस्तुति

३ फरवरी २०२४: सम्मेलन का संस्कार-संस्कृति चेतना कार्यक्रम (मारवाड़ी कौड़ी से करोड़पति की गाथा) भारतीय भाषा परिषद के सभागार में आयोजित हुआ। चित्र में परिलक्षित हैं- राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष सराफ, श्रीनिवास जी शर्मा 'श्रीजी', सुप्रसिद्ध उद्योगपति श्याम सुंदर बेरीवाल, उद्योगपति कुंजबिहारी अगरवाला, संस्कार-संस्कृति चेतना उपसमिति के चेयरमैन संदीप गर्ग, कार्यक्रम संयोजक अमित मूँधड़ा, अमिता दवे, पुष्पा चौधरी, पूनम गर्ग एवं अन्य।

अखिल भारतीय समिति की बैठक

१७ मार्च २०२४, रविवार | हरिद्वार (उत्तराखंड) | समय: सुबह ११ बजे

इस अंक में

विशेष पेज-१७

संपादकीय
- राम का रामत्व

आपणी बात
- संस्कार-संस्कृति की शुरुआत प्रारंभ से करनी होगी

आलेख
- पारिवारिक संविधान: एक विचार

संस्कार-संस्कृति चेतना
- बसंत पंचमी का महत्व, रेत का घर
- प्रेरक प्रसंग, ज्ञान गंगा, बूझो तो जानें
- चरण छूकर प्रणाम करने के फायदे

प्रादेशिक समाचार
- दिल्ली, पूर्वोत्तर, पश्चिम बंग, उत्कल
- केरल, छत्तीसगढ़, झारखंड, कर्नाटक

रपट
- भाषा साहित्य सम्मान समारोह
- संस्कार-संस्कृति पर श्रीनिवास जी शर्मा की प्रभावी प्रस्तुति
- हमें अपने में आत्मानुशासन को बढ़ाने की जरूरत
- मधुमेह एवं हार्मोनल विकार पर संगोष्ठी आयोजित

RAMKRISHNA FORGINGS LIMITED

RAMKRISHNA FORGINGS LIMITED (RKFL) is India's Second biggest and leading Integrated Forging cum Machining Company. RKFL have Closed Die Forging Hammers, Upsetters, Ring Rolling & Press Lines from 2000 to 12500 Tons. RKFL is a supplier of major OEM's, Tier 1, suppliers globally for Automotive, Mining, Earth Moving, Oil & Gas, Railways and General Engineering Industries.

The Company is accredited with IATF 16949, ISO 14001 (EMS), OSHAS 18001, AS9100D and Testing Laboratories are NABL accredited (ISO/IEC 17025:2005). Its Corporate Office is located is Kolkata & Facilities are in Jamshedpur.

RKFL's product is exported to North America, South America, Europe, Australia, UK, Turkey and Asian Countries.

Regd. & Corporate Office:

23, Circus Avenue, 9th Floor,
Kolkata – 700 017, West Bengal, India.
Office phone : +(91) 033 4082 0900 / 7122 0900
Email – info@ramkrishnaforgings.com
Web site – www.ramkrishnaforgings.com

Overseas Office at:

Detroit-USA, Toluca-Mexico, Istanbul-Turkey.

Plants at:

Plant I, III, IV, V, VI & VII at Jamshedpur, India
Plant: II at Liluah, Howrah, India

Perfectly styled weddings

Showcasing a collection of impeccably styled ceremonial suits, that add a sense of style and sophistication to your wedding look. This collection is a true testament to redefining suits for weddings, crafted in multiple hues, distinctive silhouettes and fine detail. Because no wedding wardrobe is complete without a well-tailored suit.

THE Raymond SHOP

7/1A, Lindsay Street
✆22174978/22174980/9331046462

21, Camac Street
✆22837933/40629259/9007104378

Use Green Products & Increase Green Building Rating Points

HINDCON CHEMICALS LTD.

STRENGTH UPON STRENGTH

Manufacturers of:

CONSTRUCTION CHEMICALS
SPECIALITY CHEMICALS
SODIUM SILICATE

PROTECTIVE & WATERPROOFING COATINGS, SHEETINGS EXPANSION & CONTRACTION JOINT SYSTEM | CONCRETE & MORTAR ADMIXTURES | REMOVER/CLEANING COMPOUNDS WATER PROOFING COMPOUNDS | GROUTS & REPAIRING MORTARS CEMENT ADDITIVES | EPOXY GROUTS & MORTARS | REHABILITATION COATING IMPREGNATION | CONCRETING AIDS | SHOT CRETE AIDS FLOOR TOPPINGS | TILE ADHESIVE | FOUNDRY AID | SEALANTS | WATERPROOFING | JOB WORK

- **Kolkata :** Nest Constructors +91 9831075782
- **Midnapore :** New S.A. Sanitary +91 8016933523
- **Mursidabad :** Bharat Congee +91 7047628386
- **Siliguri :** Subhojit Ghosh +91 9836367567
  Bhawani Enterprise +91 7584983222
- **South 24 Pgs :** M.M. Enterprise +91 9051449377
- **Nadia :** NPR Enterprise +91 9775174923
- **Purulia :** Netai Chandra Son & Grand Sons +91 9775154544
- **Bankura :** Amit Enterprise +91 8972945781
- **Arambagh :** Maa Manasa Trading +91 9647673010
- **Hooghly :** Sen Enterprise +91 7908528482
- **Birbhum :** K.D. Enterprise +91 9434132114
- **Bhubaneswar :** Santosh Nayak +91 8895677677
- **Chennai :** Five Star Associates +91 9962591145
- **Delhi :** Debasis De +91 9836174567
- **Gujarat :** Ujjwal Chanchal +91 9142501353
- **Guwahati :** Manik Dey +91 9864824344
- **Himachal Pradesh :** Rajan Sharma +91 9830286567
- **Karnataka :** Akshaya Enterprise-9902019244
- **Madhya Pradesh :** Kanha Trading Co. +91 9630732585
  Om Shree Sai Trader +91 8077185201
- **Navi Mumbai :** Paresh Ashra, +91 9967658832, 9322591244
- **Patna :** Happy Home +91 9122191920
- **Uttar Pradesh :** Pramod Kr. Shahi +91 9830296567
  Hind Trading Company +91 7052429999
- **Bhutan :** Sriram Traders - +91 9647748327
- **Nepal :** Ashwin International Pvt. Ltd - 00977 9851035502

ISO 9001:2015 | IS:2645 | IS:9103 | ISO 22716:2007

+91 33 24490839, 9830599113 | +91 33 24490849 | contactus@hindcon.com | www.hindcon.com

Vasudha' 62 B, Braunfeld Row, Kolkata-700027, West Bengal, India

समाज विकास

◆ फरवरी २०२४ ◆ वर्ष ७५ ◆ अंक २
◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक — पृष्ठ संख्या

- **संपादकीय :** ६
  राम का रामत्व
- **आपणी बात : शिव कुमार लोहिया** ७-८
  संस्कार-संस्कृति की शुरुआत
- **रपट**
  भाषा साहित्य सम्मान ११-१२
  संस्कार-संस्कृति पर श्री निवास जी शर्मा १३
  हमें अपने आत्मानुशासन १४
  मधुमेह एवं हार्मोनल विकार पर १५

विशेष **संस्कार-संस्कृति चेतना**

बसंत पंचमी का महत्व, रेत का घर १७
प्रेरक प्रसंग, ज्ञान गंगा, बूझो तो जानें १८
चरण छूकर प्रणाम, बच्चों का मानसिक विकास १९
मारवाड़ी भाषा सीखें, मेरा परिवार २०

- **प्रादेशिक समाचार**
  पूर्वोत्तर, पश्चिम बंग, उत्कल, केरल, छत्तीसगढ़, दिल्ली, झारखंड, कर्नाटक २३-२५,२९
- **आलेख**
  पारिवारिक संविधान : एक विचार ३१
  स्वास्थ्य ही धन है ३२

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
All India Marwari Federation

प्रशासनिक एवं संपर्क कार्यालय : ४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७
फोन : ०३३-४००४ ४०८९

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

स्वत्वाधिकारी ऑल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिए **भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

◆ **प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा** ◆ **संपादक : शिव कुमार लोहिया**

प्रकाशित रचनाओं से संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

चिट्ठी आई है

मैंने ०३ फरवरी २०२४ (शनिवार) को भारतीय भाषा परिषद, कोलकाता में 'मारवाड़ी-कौड़ी स करोड़या की गाथा' प्रोग्राम म थो। भोत बढ़िया प्रोग्राम लाग्यों जितनी भी प्रशंसा की जाय कम है। इ प्रोग्राम न स्टेन्ड करके मेरी चेतना शक्ति को बहुत विकाश होयो। घरआ म सोचण लाग्यों और कुछ बाता मन म आई। मन की बात भोत दिना स मन म थी और सब साहस करकर म इन बाता पर प्रकाश डालना चाहु हु। गलती हुई हो तो क्षमा करोगा जी।

१) मारवाड़ी समाज म अंतरजातीय विवाह हो रहा है जिससे हमारी सभ्यता, संस्कृति पर आघात हो रहा है।
२) एक मारवाड़ी सेठ है जिसके पास कई मारवाड़ी कर्मचारी हैं। वो सेठ मारवाड़ी होते हुवे भी अपने मारवाड़ी कर्मचारी का शोषण करता है।
३) दिखावा बढ़ते जा रहा है।
४) चिकित्सा के क्षेत्र में मारवाड़ी विशेष को कुछ लाभ मिले इसकी व्यवस्था की जा सकती है। आज मध्यमवर्गीय मारवाड़ी चिकित्सा का लाभ नहीं उठा पाता।
५) बहुत से मारवाड़ी लड़के बेरोजगार घूम रहे हैं। एक रोजगार बैंक बनाया जाय जो कि रोजगार दे।
६) इसके अलावा लीगल ऐड सेल, मैरेज ब्यूरो इत्यादि पर विचार किया जा सकता है।

– श्रीराम अग्रवाल (कोलकाता)

कई दिनों से मन में मेरे सम्मेलन के प्रति कई प्रकार के प्रश्न उठ रहे थे। मैंने सोचा क्यों ना इन्हें समाज के प्रतिष्ठित एवं कर्मठ सदस्यों को अवगत करा दूँ। सम्मेलन का ८९वाँ स्थापना दिवस हाल ही में संपन्न हुआ। काफी लोकप्रिय एवं रचनात्मक लेख पढ़ने को मिले 'समाज विकास' के विशेषांक द्वारा। सन १९३५ से लेकर समाज तत्कालीन एवं बाद में भी समाज की कुरीतियों पर कुठारघात किया एवं समझाया। आज फिर समाज कुछ नई कुरीतियों से होकर गुजर रहा है। हालाँकि हमारे सम्मेलन अधिकारीगण इस पर काफी चर्चा कर रहे और आशंका जता रहे हैं। मैं, कुछ पहलुओं की ओर ध्यान आकर्षित करना चाहूँगा।

पहले परदे की प्रथा को उठाया गया। अब आलम यह है पर्दा इतना उठ गया है कि लोक-लज्जा का ध्यान नहीं रखा जाता। प्री-वेडिंग शूट, विवाह पर खर्च की कोई सीमा ही नहीं है। एक-दूसरे से ज्यादा बढ़कर विवाह आदि की सजावट, खान-पान एवं मदिरापान तो आम बात हो गई है।

नवयुवकों को आगे आकर इन कुरीतियों पर अंकुश लगाना पड़ेगा। कब तक हमारे बुजुर्ग इन समस्याओं से जूझते रहेंगे।

– शंकर लाल सिंघानिया (शिलांग)

पाठक अपनी प्रतिक्रिया हमें editorsamajvikas@gmail.com पर भेज सकते हैं।

राम का रामत्व

हाल ही में अयोध्या में एक भव्य मंदिर प्रांगण में रामलला की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा अत्यंत ही हर्षोल्लास के साथ संपन्न हो गई। राम भक्ति का ज्वार सभी भक्तों में एक मधुर अनुभव दे गया। पूरे देश में ही नहीं, बल्कि जहाँ भी भारतीय मूल के प्रवासी वास करते हैं, विश्व के प्रत्येक कोने में उस ज्वार की लहर देखने को मिली।

राम का स्थान भारतवासियों एवं भारतवंशियों में हजारों साल से विशिष्ट रहा है। राम जनमानस में दूध में पानी की तरह घुले-मिले हैं। अभिवादन में हम राम-राम कहते हैं। दुख में- हे राम! पीड़ा में- अरे राम! लज्जा में- हाय राम! शपथ में- राम दुहाई, अज्ञानता में- राम जानें, अचूकता के लिए- रामबाण, अनिश्चितता में- राम भरोसे, सुशासन के लिए- राम राज्य, मरने के बाद- राम नाम सत्य। रामचरित मानस भारत के घर-घर में पाई जाती है एवं विश्व में सर्वाधिक लोकप्रिय ग्रंथ सैकड़ों वर्षों से चली आ रही है।

भगवान श्रीराम समूचे भारतवर्ष के आदर्शपुरुष हैं। राम शब्द का जन्म रम् धातु से हुआ है जिसका अर्थ होता है रमण। जो प्रत्येक हृदय में रमण करते हैं, वे राम हैं। गोस्वामी तुलसीदास जी ने लिखा है :–

कहौं कहाँ लागे नाम बड़ाई।
रामु न सकहिं नाम गुन गाई।।

स्वयं राम जी 'राम' शब्द की व्याख्या नहीं कर सकते, ऐसा राम नाम है। राम तो 'रावणस्य मरणं रामः' को भी कहा जाता है, अर्थात रावण रूपी बुराई को राम के रूप में रमण करने वाली भक्ति का संचार कर समाप्त किया जा सकता है। राम हमें सीधा संदेश देते हैं कि अच्छाई और सुख की प्रधानता से भरे जीवन में रावण, कैकेयी एवं मंथरा रूपी दुख हैं।

एक प्रसंग है जिसमें पार्वती ने महादेव जी से पूछा, आप हरदम क्या जपते हैं? तब महादेव जी ने उत्तर में बताया कि -

"वे विष्णुसहस्त्रनाम जपते हैं", तो उन्होंने पूछा कि "इतना सहस्त्र नाम तो सामान्य पुरुष के लिए कठिन है। कोई एक नाम बताइए जो सहस्त्र नामों के बराबर हो।" उत्तर मिला –

राम राम रामेति रमे रामे मनोरमे।
सहस्त्रनाम तुल्यं रामनाम वरानने।।

राम नाम विष्णु सहस्त्र नाम के तुल्य है। मैं सर्वदा राम-राम-राम अर्थात राम नाम में ही रमण करता हूँ।

आदि कवि वाल्मीकि ने कहा है – "समुद्र इव गांभीर्ये धैर्येण हिमवानिव।" गांभीर्य में समुद्र एवं धैर्य में हिमालय के समान हैं राम।

राम का जीवन यह दर्शाता है कि उनका आदर्श जीवन प्रत्येक व्यक्ति के लिए अनिवार्य है। कहा जाता है कि दुर्लभ मानुष जन्मः। अर्थात मनुष्य का जीवन दुर्लभ है। इस दुर्लभ जीवन को किस प्रकार जीना चाहिए, इसका उदाहरण स्वयं श्रीराम ने अपने जीवन से मानवता को दिया। राम की दयालुता, समरसता, सामाजिक एकता, न्याय प्रियता, कला प्रियता, कर्तव्य-परायणता, वैश्विकता, सरलता, सहजता, सहनशीलता, सुगमता पूरे विश्व के लिए उदाहरण एवं अनुकरणीय है। दूसरे शब्दों में यह कहा जा सकता है कि यह मानव जीवन का उत्कर्ष है।

भारत के प्रत्येक संस्कार व समाज में श्रीराम भारतीय संस्कृति के पहचान हैं। राम का जीवन सामाजिक समृद्धि, सद्गुण और सहानुभूति के मार्ग पर चलने का उदाहरण प्रस्तुत करती है। राम का रामत्व हमारे संस्कृति व अवधारणाओं का मूल है। समरसता रामत्व का मूल है। श्रीराम की निसादराज से मित्रता, माता शबरी के जूठे बेरों का खाना जटायु को अंतिम समय में स्नेह देना, सुग्रीव से मित्रता, हनुमान को गले लगाना इसी बात के द्योतक हैं। श्रीराम जब राजपथ छोड़कर जनता के बीच निकले तो अपने रामत्व को स्थापित किया। अपने अहंकार को मिटाना ही रामत्व है। विफलता का श्रेय स्वयं लेना तथा विजय का श्रेय अपने सहयोगियों को देना, रामत्व है। राम के जीवन में उनके आचारण, व्यवहार एवं परिवार से रामत्व को समझा जा सकता है। सामान्य जीवन को असामान्य जीवन में परिवर्तित करना रामत्व है। स्वयं समर्थ होते हुए भी दूसरों के विचारों को महत्व देना रामत्व है। गलती को क्षमा करके उसे अपनाना रामत्व है। संकट की घड़ी में कभी विचलित नहीं होना रामत्व है। एक शिक्षाविद ने कहा है – "जो सिद्ध है वह राम है। जो विचलित नहीं है वह राम है। जो सहमति बनाकर चले वह राम है। अपने देश और समाज को युद्ध में बिना डाले युद्ध जीतना राम का कौशल है। राम का जीवन सिखाता है कि हम उदार मन से वार्ता करते रहें। राम महामानव है, क्योंकि अपने से छोटों को भी महानता देते हैं। यदि हमारे हृदय में रामत्व जीवित है तो राम के गुणों को अपनाना सीख पाते हैं। राम को उनके आचरण से जाना जाता है एवं उनकी पूजा उनके आचरण को अपने जीवन में अनुकरण करना है।"

हमारे सामूहिक चेतना में राम के चरित्र का अमिट छाप है। राम एक ऐसे युगपुरुष थे जो इस धरती पर घूमे एवं मानव मात्र के लिए उदाहरण छोड़ कर गए – उन्होंने लड़ाइयाँ भी लड़ीं पर वे बिना किसी नफरत, आक्रोश और नकारत्मकता के लड़े। यहाँ तक की उन्होंने अपने विरोधी को मारने का पश्चाताप भी किया, क्योंकि वे जानते थे कि उनका विरोधी अपने आप में एक महान इनसान था।

राम के संदर्भ में संत तुलसीदास जी की यह चौपाई महत्वपूर्ण है –

सिय राम मय सब जग जानी।
करहु प्रणाम जोरी जुग पानी।।

अर्थात पूरे संसार में श्रीराम का निवास है, सबमें भगवान हैं और हमें दोनों हाथ जोड़कर प्रणाम कर लेना चाहिए।

मुरारी बापु कहते हैं कि सत्य, प्रेम और करुणा रामतत्व है। भगवान राम ने सेतु बनाया। आज पूरे विश्व में समाज के विभिन्न वर्गों के बीच सेतु बनाए जाने की आवश्यकता है। कबीर ने भी कहा - राम सब घर मोरा साइयाँ। ईश्वर रूप राम सबके हृदय में हैं।

राम एक मानव के लिए संजीवनी हैं, एक ऐसी उर्जा हैं जो जनमानस में पवित्रता का संचार करते हैं। अयोध्या में राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा ने देश-विदेश में बसे करोड़ों भारतीयों को राम के नाम से जोड़ा है। आस्था एवं श्रद्धा के ज्वार के साथ-साथ सामूहिक उर्जा का निर्माण किया है। जिसका सकारात्मकता के साथ राष्ट्र एवं समाज-निर्माण में उपयोग होना चाहिए। सभी को राम के रामत्व से रू-ब-रू होने एवं उसे अपने जीवन में उतारने की आवश्यकता है। अगर ऐसा हो पाया तो राम मंदिर की स्थापना राष्ट्रीय, सांस्कृतिक पुर्ण जागरण का अग्रदूत बन जाएगा।

संस्कार-संस्कृति की शुरुआत प्रारंभ से करनी होगी

समाज के वर्तमान स्वरूप में मर्यादाएँ भंग हो रही हैं, संस्कार संस्कृति का स्खलन हो रहा है। गाड़ी को फिर से पटरी पर लाने के लिए समाज के कुछ वर्ग में चर्चा हो रही है। कुछ लोगों का कहना है कि अब आंदोलनों का दौर नहीं रहा। हालात यह है कि एक-दूसरे की देखा-देखी एक के बाद एक आँखे मूँदकर छलांग लगा रहे हैं। रोकने-टोकने वाले मन मसोसकर रह जाते हैं, मुँह से जबान नहीं निकल रही। धन का बोलबाला है। धन से हम सुख-सुविधा खरीद सकते हैं, लेकिन चरित्र, व्यवहार और संस्कार नहीं। अन्न का अभाव होता है तो मानव मरता है, संस्कार का अभाव होता है तो मानवता मरती है। समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का परिचय देते हुए हमें अपनी राय बतानी होगी।

उसूलों पर जहाँ आँच आए टकराना जरूरी है,
जिंदा हो तो फिर जिंदा नजर आना भी जरूरी है।

आज हम अनेकों परिस्थितियों से घिरे हैं जैसे: मायड़ भाषा का निरादर, घर में बड़े-बुजुर्गों का निरादर, विवाह की बढ़ती उम्र, परिवार में तनाव एवं बढ़ते तलाक, प्री-वेड सूट, महिलाओं का विवाह के अवसर पर सार्वजनिक नृत्य, मद्यपान का बढ़ता चलन, धार्मिक, पारिवारिक अवसरों पर दिखावा, आड़ंबर एवं फिजूलखर्ची। फेहरिस्त लंबी है। मूल में है संस्कार संस्कृति की अवहेलना। तुलसीदास जी ने रामचरित मानस में कहा है –

सुमति कुमति सब के उर रहहीं।
नाथ पुरान निगम अस कहहीं।।
जहाँ सुमति तहँ संपति नाना।
जहाँ कुमति तहँ बिपति निदाना।।

हे नाथ! पुराण और वेद कहते हैं कि सुबुद्धि और कुबुद्धि सबके मन में रहती है, लेकिन जहाँ सुबुद्धि होती है, वहाँ विभिन्न प्रकार की संपदाएँ यानी सुख और समृद्धि रहती है और जहाँ कुबुद्धि है वहाँ विभिन्न प्रकार की विपत्ति का वास होता है।

सुमति एवं कुमति के बीच में सही चुनाव वही व्यक्ति कर सकता है जो चरित्रवान हो, या जिसमें संस्कार हो, सुसंस्कृत हो! चरित्र निर्माण ही जीवन के सफलता की कुंजी है। चरित्र निर्माण से ही व्यक्ति अज्ञान से प्रेरित कुमति प्रवृत्तियों का बयन करते हुए सुमति का चयन करके नैतिक एवं बौद्धिक विकास के पथ पर अग्रसर होता है।

समाज में यह सम्मिलित प्रयास होना चाहिए कि आने वाली पीढ़ी वर्तमान समस्याओं के सम्मुखीन न होवे। यह वर्तमान पीढ़ी की पवित्र जिम्मेदारी है। बालक एक गिली मिट्टी की तरह होता है, जिन्हें हम जिस आकार में ढालना चाहें ढाल सकते हैं। एक व्यक्ति के व्यक्तित्व की आंतरिक संरचना बाल्यकाल से ही होती है। बच्चों के लिए उपयुक्त माहौल प्रथम आवश्यकता है। एक ऐसा माहौल जिसमें खुशी, प्यार, परवाह, और अनुशासन की भावना हो। मानव जाति के पास क्षमता है कि हम हमारे अगली पीढ़ी को हमसे एक कदम आगे बढ़ते हुए जब देखते हैं तो हम प्रसन्न होते हैं। यह हमारे लिए अत्यंत अहम है कि अगली पीढ़ी थोड़ी अधिक खुशी से, कम डर, कम पक्षपात, कम उलझन, कम नफरत, कम कष्ट के साथ जीवन जी सके। दूसरे शब्दों में वह हमसे अधिक सुमति एवं कम कुमति के साथ जीवन जी सके। इसके लिए हमें आने वाली पीढ़ी का मार्ग प्रशस्त करना होगा। इस लक्ष्य को फलीभूत करने के लिए हमें स्वयं को अनुशासित करना होगा।

> ***यह हमारे लिए अत्यंत अहम है कि अगली पीढ़ी थोड़ी अधिक खुशी से, कम डर, कम पक्षपात, कम उलझन, कम नफरत, कम कष्ट के साथ जीवन जी सके। दूसरे शब्दो में वह हमसे अधिक सुमति एवं कम कुमति के साथ जीवन जी सके। इसके लिए हमें आनेवाली पीढ़ी का मार्ग प्रशस्त करना होगा।***

हमें सही लक्ष्य निर्धारित करते हुए सदैव आनंदित एवं शांत रहने का प्रयास करना होगा। अगर बच्चे को रोजाना तनाव, गुस्सा, डर और ईर्ष्या देखने को मिलेगा तो वह इन्हीं से सीखेगा। ये सब तभी संभव होगा जब हम अपने संस्कार-संस्कृति की ओर फिर से एक बार रुख करेंगे।

संस्कार शब्द का मूल अर्थ है 'शुद्धीकरण'। संस्कारों के द्वारा मनुष्य अपनी सहज प्रवृत्तियों का पूर्ण विकास करके स्वयं, समाज, राष्ट्र एवं विश्व का कल्याण करता है।

संस्कार के द्वारा हम ईमानदारी, संतोष, प्रेम, दया, साहस, त्याग, स्वाभिमान, आत्मविश्वास, एवं बड़े-बुजुर्गों का सम्मान का ज्ञान हासिल करते हैं। विश्व के सर्वोत्कृष्ट कथनों और विचारों का ज्ञान ही संस्कृति है। स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि हिंदू संस्कृति आध्यात्मिकता की अमर आधारशिला पर स्थित है। अतएव, व्यक्ति विकास, सभ्य समाज एवं प्रगतिशील राष्ट्रनिर्माण के लिए संस्कार-संस्कृति का विकल्प नहीं है।

अतएव, आज जब हमारे संस्कार-संस्कृति पर चोट हो रहा है, हमारा पुनीत कर्तव्य बन जाता है कि विरासत में मिली हमारी संस्कार-संस्कृति को हम आने वाली पीढ़ी को सौपें। इसमें वच्चों से ज्यादा अभिभावकों की भूमिका होती है। बच्चे संपर्क में आने वाले व्यक्तियों के भावों, विचारों तथा कार्यों का अनुकरण करते है। अतः सबसे आवश्यक बात यह है कि माता-पिता का चरित्र उच्च कोटि का होना चाहिए। यह उक्ति प्रचलित है कि 'बच्चों की नैतिक क्रिया उसके जन्म के पूर्व ही आरंभ हो जाती है।'

संस्कार के द्वारा हम ईमानदारी, संतोष, प्रेम, दया, साहस, त्याग, स्वाभिमान, आत्मविश्वास, एवं बड़े-बुजुर्गों का सम्मान का ज्ञान हासिल करते हैं। विश्व के सर्वोत्कृष्ट कथनों और विचारों का ज्ञान ही संस्कृति है। स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि हिंदू संस्कृति आध्यात्मिकता की अमर आधारशिला पर स्थित है। अतएव, व्यक्ति विकास, सभ्य समाज एवं प्रगतिशील राष्ट्रनिर्माण के लिए संस्कार-संस्कृति का विकल्प नहीं है।

माता-पिता एवं अध्यापकों का यह कर्तव्य है कि जिन नियमों का बच्चों से पालन करवाना चाहते हैं उनका स्वयं पालन करें। बच्चे 'आचारिक शिक्षा' ग्रहण करते हैं। यदि बच्चों का सहवास एवं वातावरण उच्च हो तो शिक्षा सोने के सुगंध का काम करती है। वैदिक काल से ही देखा गया है कि माँ-बाप भले ही अनपढ़ हो, फिर भी उनके अंदर संस्कार और शिक्षा देने की क्षमता रहती है। बच्चों को अच्छी शिक्षा देना जरूरी है, उससे भी अधिक जरूरी है उनको अच्छे संस्कार देना। साथ ही साथ यह भी आवश्यक है कि उनको स्वतंत्र रीति से कार्य करने का अवसर देना चाहिए, ताकि उनके व्यक्तित्व एवं चरित्र का विकास हो सके।

आज समाज में असंतोष एवं अन्य नकारात्मक उर्जा का सृजन हो रहा है। उसको सकारात्मक उर्जा में परिवर्तन करने का एकमात्र उपाय है संस्कार-संस्कृति का पालन। कहा भी जाता है कि अगर बरसात की कमी होती है तो फसलें खराब होती हैं और अगर संस्कार-संस्कृति का अभाव होता है तो नसलें खराब होती हैं। हमारे संस्कार ही अपराध एवं बुराईयों पर लगाम लगा सकते हैं, कानून के द्वारा यह संभव नहीं। सबसे बड़ी बात है कि बच्चों को संस्कार दिए बिना सुविधाएँ देना पतन का कारण है।

प्रश्न यह उठता है कि बच्चों में संस्कार कैसे डालें। बच्चो मासूम एवं सरल स्वभाव के होते हैं। जैसा वो देखेंगे, वैसा ही वो करेंगे। बच्चो में संस्कार डालने की जरूरत कभी नहीं होगी; अगर आप चाहते हैं बच्चों संस्कारी हो तो आप वह सब करें जो आप बच्चों से चाहते हैं। जैसे बड़ों को प्रणाम करना, झूठ नहीं बोलना, ज्यादा समय मोबाइल पर नहीं बिताना, अच्छी किताबें पढ़ना, अपने छत पर पक्षियों को दाना एवं पानी की व्यवस्था करना।

बच्चों को नैतिक, बौद्धिक एवं धार्मिक कहानियाँ सुनाएँ। बच्चों को श्लोक एवं पत्र के बारे में जानकारी देना चाहिए। कुछ बातें हैं जिन पर हम विशेष रूप से ध्यान रख सकते हैं –

१) अच्छे, बुरे का परिचय दें। २) लोगों से बातचीत करना सिखाएँ। ३) घर में बड़े बुजुर्गों का पैर छूना सिखाएँ। ४) उसे मंदिर ले जाएँ। ५) दया, प्रेमभाव का गुण बताएँ। ६) पशु-पक्षियों की सेवा करना सिखाएँ। ७) बुरी संगत से दूर रहना सिखाएँ। ८) बुरी आदतों एवं उनसे होने वाली हानि के विषय में बताएँ। ९) हमारे संस्कार-संस्कृति की विशेषताएँ बताएँ। १०) समय का महत्व बताएँ। ११) जीवन के लक्ष्य के बारे में समझाएँ। १२) स्वाभिमानी निडर होने का पाठ सिखाएँ। १३) अच्छे चीज की आवश्यकता पर जानकारी दें। १४) स्वास्थ्य एवं पौस्टिक आहार स्वस्थ जीवन के लिए अति आवश्यक। १५) समय का ज्ञान एवं महत्व समझना। १६) घमंड से हमारी सारी अच्छाईयों का प्रभाव खत्म हो जाता है।

अगर एक बार समय हाथ से निकल जाए तो लौटकर वापस नहीं आएगा। बच्चों के साथ मित्रवत व्यवहार रखें। बच्चों में आत्मसंयम का भाव अति आवश्यक है। आज कल प्रलोभनों एवं नाना प्रकार के प्रमादों के संसाधन एवं वातावरण सर्वत्र विखरे पड़े है। यह बात उन्हें समझानी अति आवश्यक है कि आत्मसंयम एक उच्च कोटि के जीवन के लिए अति महत्वपूर्ण उपादान है।

बच्चों को गुणों, नियमों, आदर्शों तथा कर्तव्यों से परिचित करा देना चाहिए जिनके आधार पर उनके चरित्र का निर्माण होता है। फलस्वरूप उन्हें भलीभाँति यह विदित हो जावे कि कौन सी बातें उनके लिए हितकर हैं, कौन सी अहितकर, कौन सी बातें उचित हैं, कौन सी बातें अनुचित तथा उन्हें किन आदर्शों के लिए कार्य करना है।

बच्चों को निषेधात्मक कार्य की अपेक्षा, विधेयात्मक कार्यों का स्मरण दिलाना अधिक श्रेयस्कर है। यदि बच्चों को कोई कार्य करने का निषेध किया जाय तो उस कार्य को करने के लिए अधिक लालायित हो जाते हैं। उनके मन में अपनों के प्रति श्रद्धा तथा उनको अपने जीवन में चरितार्थ करने की प्रबल इच्छा उत्पन्न की जानी चाहिए। जिनके मन मे सुंदर स्थायी भाव नहीं बन पाते वे बुद्धिमान होते हुए भी अनुचित आचरण करते रहते हैं। अतः सदाचार के लिए सुंदर स्थायी भावों का होना अनिवार्य है।

आज सभी अभिभावकों को इस विषय में सचेतन रहना है। इस संबंध में हमें यूट्यूब, इंस्टाग्राम, फेसबुक जिसमें अनेक कथा कहानियों जैसे कि हितोपदेश, पंचतंत्र की कहानियाँ, दादा-दादी की कहानियाँ, गीता उपदेश, बाल संस्कारशाला, माँ की संस्कारशाला, रामचरित्र मानस जैसे बहुत से चैनेल हैं, जिनका हम उपयोग कर सकते हैं। यह अति आवश्यक है कि स्थिति को सुधारने में हम अपनी भूमिका से अवगत होवे एवं इस दिशा में स्वयं को नियोजित करें।

शिव कुमार लोहिया

IAC
SINCE 1959
ISO 9001:2015
ISO 14001:2015
ISO 45001:2018
NABL Accredited Lab
POWERING 35 NATIONS ACROSS THE WORLD
IAC Electricals Pvt Ltd is the one stop solution for providing innovative product and services to the electric power utility since 1959
PRODUCTS & SERVICES OFFERED:
• Transmission line and substation insulator fittings up to 1200 kV AC and 800 kV HVDC
• Conductor and groundwire accessories
• HTLS conductor accessories and Sub zero hardware fittings
• OPGW cable fittings
• Pole/Distribution line hardware
• AB Cable and ADSS cable accessories
• Substation clamps and connectors
• Conductor, Insulator and hardware testing facility
IAC ELECTRICALS PVT LTD
Transmission line and distribution line hardware fittings,
IEC/ISO 17025/2015 NABL accredited laboratory for conductor, insulator and hardware fittings type testing.
www.iacelectricals.com
info@iacelectricals.com
701, Central Plaza, 2/6, Sarat Bose Road, Kolkata - 700020

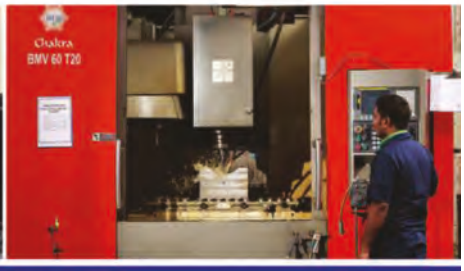

Introducing

nouriture

New thinking that heralds the journey to progress

Nouriture is here to usher in a new era of livestock farming through new products, technologies and services. Building on its heritage of 19 years under the name Anmol Feeds, its range includes easily digestible Poultry, Fish, Cattle and Shrimp Feed. Nouriture produces superior quality poultry feed under three different brand names that are nutritious and accelerates growth of poultry. Indeed, with the advent of Nouriture, Indian livestock farming is all set for a revolution. So choose Nouriture, choose progress.

HIGH YIELD | PROMOTES ANIMAL HEALTH | MANUFACTURED USING MODERN FORMULATION

POULTRY FEED | FISH FEED | SHRIMP FEED | CATTLE FEED

Scan to visit website

Manufactured & Marketed by:
ANMOL FEEDS PVT. LTD.

Toll free number:
1800 3131 577

Unit No. 608 & 612, 6th Floor, DLF Galleria, New Town, Kolkata-700156, West Bengal
P +9133 4028 1011-1035 E afpl@nouriture.in W www.nouriture.in

राजस्थानी भाषा की सुवास को बचाने की जरूरत – शिव कुमार लोहिया

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का राजस्थानी भाषा साहित्य सम्मान समारोह हल्दीराम बैंक्वेट, बालीगंज में राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। सुप्रसिद्ध समाजसेवी, उद्योगपति, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. हरि प्रसाद कानोड़िया ने साहित्य सम्मान समारोह का उद्घाटन किया। सभी अतिथियों एवं सम्मेलन के पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर इसकी शुरुआत हुई।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **शिव कुमार लोहिया** ने सभी का अभिनंदन और राजस्थानी भाषा दिवस की बधाई देते हुए कहा कि सम्मेलन मायड़ भाषा को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक वर्ष राजस्थानी भाषा साहित्य सम्मान देती है। राजस्थानी भाषा में जो वीरता का वर्णन है, वह दुनिया की किसी भी अन्य साहित्य में नहीं है। इस भाषा के पीछे कला, संस्कृति, साहित्य, लोक साहित्य, लोक संस्कृति, मान्यताओं, त्योहारों, रीति-रिवाजों, गीतों, गाथाओं, किस्से-कहानियों, कहावतों, मुहावरों की विपुल संपदा है। मायड़ भाषा की सुवास को बचाए रखने की जरूरत है। मायड़ भाषा विलुप्त होने पर इसके पीछे सैकड़ों वर्षों के संस्कार-संस्कृति का भी विलोप हो जाएगा। हम भाषा को घर में बचाएँ और हमारे बच्चे अपनी भाषा में बात करते रहे तो भाषा बची रहेगी। सम्मेलन पुराने और नए को जोड़ने का कार्य कर रही है। श्री लोहिया ने समाज-बंधुओं से आह्वान किया कि आप सम्मेलन के कार्यक्रमों, उद्देश्यों से जुड़े एवं अपने विचार हमें भेजें हम आपको आश्वस्त करते हैं कि उस पर विचार-विमर्श कर प्रभावी कार्य करेंगे।

समारोह के मुख्य वक्ता **रतन लाल साह** ने कहा कि धर्म आपको जोड़कर नहीं रख सकता है। बांग्लादेश इसका सबसे नवीनतम उदाहरण हमारे सामने है। बोलियाँ भाषा की शृंगार होती हैं, जिस भाषा में जितनी ज्यादा बोलियाँ वह भाषा उतनी ही सुंदर भाषा है। राजस्थानी भाषा इस मायने में बहुत समृद्ध है। अपार साहित्य संपदा राजस्थानी भाषा के पास है। भाषा किसी व्यक्ति के लिए पानी जितना ही जरूरी है। श्री साह ने लोगों से निवेदन करते हुए कहा कि आप कभी भी अपनी भाषा बोलने में हीनता महसूस ना करें।

सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **डॉ. हरि प्रसाद कानोड़िया** ने अपना सुझाव देते हुए साहित्य सम्मान से सम्मानित विद्वानों से कहा कि राजस्थानी में कहानियाँ भी लिखी जाए और साथ में उसका अनुवाद हिंदी व अंग्रेजी में साथ-साथ दिया जाए तो यह भाषा के प्रचार-प्रसार में प्रभावी कदम होगा।

बाल साहित्यकार व शिक्षाविद **डॉ. मदन गोपाल लढा** ने अपना वक्तव्य देते हुए कहा कि भाषा की मान्यता से ज्यादा जरूरी है कि हम अपने घर, परिवार, समाज, उत्सव में इसे मान्यता दें। हम यहाँ इसे बचाकर रख पाते हैं तो यह किसी भी सरकारी मान्यता से बड़ी बात होगी। उन्होंने राजस्थानी कविता का पाठ कर उपस्थित लोगों को आनंद से भर दिया।

राजस्थानी भाषा के साहित्यकार **बंशीधर शर्मा** ने अपना वक्तव्य देते हुए कहा कि सम्मेलन का यह विशिष्ट साहित्य सम्मान पाकर अविभूत हूँ, इससे मुझे और साहित्य सर्जना की शक्ति मिली है। अपनी संस्कृति, अपनी भाषा के लिए लोगों को जगाने की आवश्यकता है। जिसके लिए सम्मेलन बड़ी कर्मठता से लगा हुआ है। उन्होंने अपनी कुछ स्वरचित राजस्थानी कविताएँ सुनाई।

समारोह में साहित्यिक, संस्कृति-कर्मी **बंशीधर शर्मा** को सम्मेलन ने सम्मेलन का **'सीताराम रूँगटा राजस्थानी भाषा-साहित्य सम्मान-२०२२'** एवं बाल साहित्यकार व शिक्षाविद **डॉ. मदन गोपाल लढा** को **'केदारनाथ भागीरथी देवी कनोड़िया राजस्थानी भाषा बाल साहित्य सम्मान-२०२२'** प्रदान कर सम्मानित किया।

पश्चिम बंग मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष नंदकिशोर अग्रवाल ने डॉ. मदन गोपाल लढा का संक्षिप्त परिचय दिया एवं मायड़ भाषा

उपसमिति के संयोजक अरुण प्रकाश मल्लावत ने बंशीधर शर्मा का संक्षिप्त परिचय पढ़ा।

मंच का सफल संचालन सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री **कैलाशपति तोदी** ने किया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **दिनेश कुमार जैन** ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

इस मौके पर पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष सराफ, फाइनेंस कमिटी के चेयरमैन आत्माराम सोंथलिया, निवर्तमान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भानीराम सुरेका, निवर्तमान महामंत्री संजय हरलालका, मारवाड़ी युवा मंच के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रमोद साह, रघुनाथ झुनझुनवाला, शंकरलाल कारिवाल, राजेश ककरानिया, जय प्रकाश सेठिया, महावीर बजाज, जुगल किशोर जाजोदिया, सज्जन बेरीवाल, जय गोविन्द इन्दोरिया, बिनोद कुमार सरावगी, राजेश कुमार सोंथलिया, दुर्गा व्यास, प्रियंकर पालीवाल, राजेंद्र कानूनगो, अनिल मल्लावत, सुरेश विजयवर्गिय, दिनेश (गंगवाल) जैन, महेंद्र अग्रवाल, पीयूष कयाल, महाबीर मनकसिया, बिजय कानोड़िया, नंदलाल सिंघानिया, शशि कांत शाह, अशोक पुरोहित सहित समाज के अनेक बंधु-बांधव, सामाजिक कार्यकर्ता एवं समाज के बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित थे।

राजस्थानी भासा!

मेवाड़ी, ढूंढाड़ी सागै
हाडोती, मरुवाणी,
सगळां स्यूं रळ बणी जकी बा
भासा राजस्थानी,
आप आप री मत थे हांको
निरथक खेंचाताणी,
मीरा लिखगी बीं नै मानो
भासा राजस्थानी,
रवै भरतपुर अलवर अलघा
आ सोचो क्यांताणी!
हिंदी री मा सखी बिरज री
भासा राजस्थानी,
खोटी सुण सुण सीख, गमावो
थे मत निज रो पाणी,
जनपद री बोल्यां है मिणियां
माळा
राजस्थानी,
इण्या गिण्या
कीं सबदां
नै ले
बिरथा बात बधाणी,
घर में राड़ जगत में हांसी
मेटै राजस्थानी,
कुण बरजै है पोखो सगळा
निज निज घर री वाणी,
आखो राजस्थान जोड़सी
भासा राजस्थानी।

मायड़ रो हेलो/
कन्हैयालाल सेठिया

कविता

छोरा ने मोबाइल खाग्यो,
किश्तां खागी तिनखा ने।
लुगायां ने फैसन खागी,
चिंता खागी मिनखां ने।।

मकाना ने फ्लैट खायग्या,
शहर खायग्या गाँवा ने।
परिवारा ने राड़ खायगी,
फूट खायगी भायां ने।।

शॉपिंग माल दुकाना खाग्या,
डेयरी खागी धीणे ने।
कोल्डड्रिंक के लारे मूल्या,
छाछ शिकंजी लस्सी ने।।

पिज्जा तो रोट्यां ने खागी,
गैस खायग्या चूल्हा ने।
बाजारु मिठायाँ खागी,
गुड और गुलगुला ने।।

पैसा रो दिखावो खाग्यो,
आदर और सत्कार ने।
बफ़र वालो खाणो तो खाग्यो,
जीमण में मनुहार ने।।

हिंदी ने अंग्रेजी खागी,
इंजैक्शन खाग्या घासा ने।
आपां तो खुद ही खाग्या,
आपाणी मायड़ भाषा ने।।

कुरीत्या रीत्यां ने खागी,
नफरत खागी प्यार ने।
विदेशी कल्चर ले डूब्यो
आपाणे संस्कार ने।।

आँख्या वाळा ही अंधा तो,
दोष नही है अंधे ने।
लोग समझ नही पाया,
दुनिया रे गोरखधंधे ने।।

प्रस्तुतिः **कैलाश चंद काबरा**

संस्कार-संस्कृति पर श्रीनिवास जी शर्मा की प्रभावी प्रस्तुति

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के 'संस्कार संस्कृति उपसमिति' के तत्वावधान में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय भारतीय भाषा परिषद सभागार में आयोजित किया गया। सर्वप्रथम उपसमिति के चेयरमैन संदीप गर्ग ने कार्यक्रम की रूपरेखा के बारे में विस्तार से बताया एवं सभी महानुभावों का स्वागत किया। तत्पश्चात राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी एवं अन्य गण्यमान्य अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलन करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लोहिया ने कहा कि सम्मेलन गत ८८ वर्षों से समाज की सेवा में विभिन्न रूपों से संलग्न रहा है। सम्मेलन ने नारी शिक्षा, विधवा-विवाह जैसे मुद्दों पर जो कार्य किया उसी का प्रतिफल है कि आज समाज की आधी आबादी समाज में अपना सशक्त योगदान दे रही है। हर्ष की बात है कि सम्मेलन सदा की भाँति आज भी समाज में पनपते हुए नए-नए विसंगति एवं विकृतियों के विरुद्ध आवाज उठा रहा है। इसी उद्देश्य के तहत यह 'संस्कार-संस्कृति कार्यक्रम' आयोजित किया गया है, ताकि समाज में हम अपनी विशिष्ट परंपराओं का प्रचार कर सकें एवं उनके गुणों को याद करके अपने जीवन में उतारने का प्रयास करें। हम धारा के प्रतिकूल बहते हैं। उन्होंने आगे, सभी से सम्मेलन के इन कार्यक्रमों में जुड़कर समाज की सेवा करने का आह्वान किया।

तत्पश्चात अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त कथाकार एवं सामाजिक विषयों पर विशेष पकड रखने वाले विचारक एवं ओजस्वी वक्ता श्रीनिवास जी शर्मा 'श्रीजी' ने अपने संगीतमयी प्रस्तुति से पुरानी परंपराओं को समझाते हुए मारवाड़ी समाज की 'कौड़ी से करोड़पति की गाथा' को बहुत सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया। उन्होंने समाज के पुरानी सीख एवं ज्ञान के सांस्कृतिक, सामाजिक, व्यवसायिक एवं वैज्ञानिक पक्षों को बहुत ही सुंदर ढंग से उजागर किया। श्रोताओं से खचाखच भरे प्रेक्षागृह में सभी श्रोता सम्मोहित होकर उनको सुनते रहे।

सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम का सफल संचालन उपसमिति के चेयरमैन संदीप गर्ग ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में अमित मूँधड़ा एवं अन्य संलग्न थे।

इस कार्यक्रम को फेसबुक लाइव द्वारा देश के सभी प्रांतों

में दिखाया गया। कार्यक्रम में पद्मश्री प्रह्लाद राय अगरवाला, कुंज बिहारी अगरवाला, जुगल किशोर जाजोदिया, संतोष सराफ, आत्माराम सोंथलिया, भानीराम सुरेका, दिनेश जैन, रमेश कुमार बूबना, महावीर मनकसिया, भगवान दास अग्रवाल, शिवरतन फोगला, शंकरलाल कारिवाल, नंदकिशोर अग्रवाल, नितिन अग्रवाल, सुशील पोद्दार, के. एल. लालानी, श्याम सुंदर बेरीवाल, राजेश सोंथलिया, गौरी शंकर सारदा, शिवकुमार बागला, राजेंद्र कानूनगो, बाबूलाल धनानिया, सुशील कुमार चौधरी, अमिता दवे, पुष्पा चौधरी, केदार नाथ गुप्ता, दामोदर बिदावतका, महेंद्र अग्रवाल, इंदर डागा, राजीव जैन, सुशील भावसिंहका एवं अन्य गण्यमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

हमें अपने में आत्मानुशासन को बढ़ाने की जरूरत है : शिव कुमार लोहिया

इस वर्ष हम भारत का ७५वाँ गणतंत्र दिवस मना रहे हैं। रामलला के प्राण प्रतिष्ठा से हमारी पुरातन भावना प्रतिष्ठित हुई है। सम्मेलन संस्कार-संस्कृति को लेकर काफी सचेष्ट है। हम धैर्यवान नाविक की तरह आगे बढ़ रहे हैं। यह बातें अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया ने सम्मेलन के केंद्रीय कार्यालय प्रांगण में राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराकर नमन के बाद कही। गणतंत्र दिवस एवं रामलला के प्राण-प्रतिष्ठा की बधाई देते हुए समाज एवं राष्ट्र की प्रगति की कामना की। श्री लोहिया ने कहा कि युवा पीढ़ी यदि आज हमारे संस्कार-संस्कृति से कटी है तो हमें हमारी भूमिका पर विचार करने की आवश्यकता है। आज हम अपने संस्कार-संस्कृति के प्रति गौरवहीन होते जा रहे हैं। हमें अपने में आत्मानुशासन को बढ़ाने की जरूरत है।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **संतोष सराफ** ने कहा कि सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य समाज-सुधार रहा है और हमें सफलता भी मिली है। समाज में नैतिक मूल्यों में कमी आई है। हमें अपने समाज की साख के प्रति सजग रहने की जरूरत है। उन्होंने आगे सुझाव देते हुए कहा कि हम यह कोशिश करें की जहाँ एक हजार परिवार हों वहाँ सम्मेलन की एक शाखा हो। हमें समाज के लोगों को जागरूक करने की आवश्कता है कि वे ज्यादा से ज्यादा मतदान में सक्रिय भागीदारिता करें।

निवर्तमान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **भानीराम सुरेका** ने कहा कि धर्म के नाम पर, जाति के नाम पर कटुता बढ़ रही है उसका प्रभाव हम पर भी पड़ रहा है। एकता लाने पर हमें काम करने की जरूरत है।

निवर्तमान राष्ट्रीय महामंत्री **संजय हरलालका** ने कहा कि आज दिखावा का युग है, प्रेम हमारे अंतस से खत्म होता जा रहा है। हमें घर में, परिवार में, समाज में अंतस का प्रेम लाने की जरूरत है। आज एकल परिवार होता जा रहा है। परिवार को नई दिशा देने की आवश्यकता है।

बैठक में सुशील पोद्दार, राजेंद्र खंडेलवाल, संजय जैन, एडवोकेट नंदलाल सिंघानिया ने अपने सुचिंतित सुझाव एवं सारगर्भित उद्बोधन दिए। छात्र नीरव नागौरी ने अटल बिहारी वाजपेयी की कविता का पाठ करके सभी उपस्थित लोगों को आनंदित कर दिया। नीरव नागौरी को दुपट्टा पहनाकर शुभाशीष दिया गया। राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष **केदारनाथ गुप्ता** ने कार्यक्रम का सफल संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन किया।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिनेश कुमार जैन, आत्माराम सोंथलिया, दिलीप चौधरी, भगवान दास अग्रवाल, रमेश कुमार बूबना, दामोदर प्रसाद बिदावतका, शंकरलाल कारिवाल, रतन लाल अग्रवाल, सांवर मल शर्मा, शरत झुनझुनवाला, विष्णु अगरवाल, ममता बिनानी, नथमल भीमराजका, मधु कांत सुरेलिया, सुशील कुमार भालोटिया, बाबू लाल बंका, राजेश कुमार सोंथलिया, बिमल कुमार केजरीवाल, काशी प्रसाद धेलिया, संजय शर्मा, राधा किशन सफ्फर, सज्जन बेरीवाल, पवन बंसल, जुगल जाजोदिया, सूरज नागौरी, राजेश नागौरी, सुभाष चंद्र गोयनका, तपन कुमार सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

मधुमेह एवं हार्मोनल विकार पर संगोष्ठी आयोजित

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से सम्मेलन सभागार में स्वास्थ्य चर्चा के तहत मधुमेह एवं हार्मोनल विकार पर राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवकुमार लोहिया की अध्यक्षता में एक संगोष्ठी संपन्न हुई। इस संगोष्ठी को प्रसिद्ध विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. विनायक सिन्हा, जिन्होंने यूनाइटेड किंगडम एवं एडिनबर्ग से चिकित्सा की डिग्री हासिल की है, ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मधुमेह अब छोटे बच्चों से लेकर वृद्धजनों तक में व्यापक रूप से बढ़ रही है। आगामी दो दशकों में इसका महामारी का रूप लेने का खतरा हो गया है। जनसाधारण को उन्होंने सलाह दी कि इससे बचने के लिए उन्हें कुछ सावधानियाँ बरतनी होगी। हर ३ महीने में चेकअप करवाते रहना चाहिए। उन्होंने बताया कि खाने-पीने में फल एवं सब्जियों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए एवं भूख से ज्यादा किसी भी हालत में नहीं खाना चाहिए।

अध्यक्ष श्री लोहिया ने कहा कि सम्मेलन की स्वास्थ्य उपसमिति वर्तमान सत्र में स्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं पर कार्यक्रम आयोजित कर रही हैं जो कि स्वागत योग्य है। उन्होंने बताया कि सम्मेलन कुछ निश्चित शल्य चिकित्सा के लिए किसी भी जरूरतमंद को ८० प्रतिशत तक के अनुदान देने की व्यवस्था की है। उन्होंने जनसाधारण को इसका लाभ लेने का आह्वान किया।

स्वास्थ्य समिति के चेयरमैन अनिल मल्लावत ने प्रथम में डॉक्टर सिन्हा का स्वागत किया एवं अध्यक्ष श्री लोहिया ने डॉक्टर सिन्हा का सम्मान किया। डॉक्टर सिन्हा ने श्रोताओं के प्रश्नों का संतोष प्रद उत्तर दिया। संयोजक बृजमोहन गाड़ोदिया ने धन्यवाद ज्ञापन किया। राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी ने संगोष्ठी का कुशल संचालन किया।

संगोष्ठी में राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष केदारनाथ गुप्ता, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री पवन जालान, फाइनेंस कमेटी के चेयरमैन आत्माराम सोंथलिया, जुगल किशोर जाजोदिया, रमेश बूबना, रघुनाथ झुनझुनवाला, पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष नंदकिशोर अग्रवाल, संदीप गर्ग, पवन बंसल, अनिल कुमार डालमिया, सूरज नागौरी, श्रीगोपाल अग्रवाल, सुभाष चंद्र गोयनका, श्रेयता लिखित गुप्ता, विकास कुमार खेमका, डॉ. आकांक्षा मल्लावत, डॉ. देवाशीष मिश्रा, अमित कुमार कहाली, सुनील भट्टर, अर्पिता पॉल, अमित मूँधड़ा, मधु कांत सुरेलिया एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मानवीय सहयोग का आदर्श उदाहरण

७ अगस्त को कोलकाता निवासी सीए मयंक अग्रवाल अपने तेईस वर्षीय भाई सीए शशांक अग्रवाल को गहन चिकित्सा के लिए फलकनामा एक्सप्रेस से हैदराबाद ले जा रहे थे। शाम को रास्ते में शशांक की तबीयत काफी खराब हो जाने के कारण उन्हें आकस्मिक चिकित्सकीय सहायता की आवश्यकता पड़ी।

ठाकुरगंज के संदीप अग्रवाल से यह जानकारी मिलने के बाद सम्मेलन के राष्ट्रीय संगठन मंत्री महेश जालान तत्काल आंध्र प्रदेश के महामंत्री पोडेश्वर पुरोहित से संपर्क स्थापित करते हैं। श्री पुरोहित उस समय राजस्थान प्रवास में रहने के बावजूद भी अपने परिजनों के माध्यम से समस्त व्यवस्थाएँ चलती ट्रेन में मात्र बीस मिनट के ठहराव के दौरान उपलब्ध कराने का असंभव कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण करते हैं।

एक मानवीय कार्य के लिए मात्र एक घंटा पूर्व की सूचना मिलने पर तत्काल संज्ञान में लेकर संपूर्ण व्यवस्थाएँ करवाकर श्री पुरोहित ने मानवीय सहयोग का अप्रतिम उदाहरण समाज के समक्ष प्रस्तुत किया है।

पोडेश्वर पुरोहित के द्वारा सिर्फ एक फोन कॉल पर हजारों किलोमीटर दूर रहने के बावजूद भी इतनी व्यवस्थाएँ कर पाने से सम्मेलन की असीम शक्ति; उन लोगों की आँखें खोल देने के लिए पर्याप्त है, जो कहते हैं कि सम्मेलन से हमें क्या लाभ मिलता है।

पोडेश्वर पुरोहित
प्रदेश महामंत्री, आंध्र प्रदेश

सम्मेलन की नवगठित अखिल भारतीय समिति

राष्ट्रीय पदाधिकारीगण

श्री शिव कुमार लोहिया	राष्ट्रीय अध्यक्ष	कोलकाता	श्री राज कुमार केडिया	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	राँची
श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया	निवर्तमान अध्यक्ष	राँची	डॉ. सुभाष अग्रवाल	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	कर्नाटक
श्री दिनेश कुमार जैन	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	कोलकाता	श्री कैलाशपति तोदी	राष्ट्रीय महामंत्री	हावड़ा
श्री रंजीत कुमार जालान	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	हरिद्वार	श्री पवन कुमार जालान	राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री	कोलकाता
श्री मधुसूदन सीकरिया	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	गुवाहाटी	श्री संजय गोयनका	राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री	कोलकाता
श्री निर्मल कुमार झुनझुनवाला	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	पटना	श्री महेश जालान	राष्ट्रीय संगठन मंत्री	पटना
			श्री केदार नाथ गुप्ता	राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष	कोलकाता

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष

श्री सीताराम शर्मा	पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष	कोलकाता	श्री राम अवतार पोद्दार	पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष	कोलकाता
श्री नंदलाल रूंगटा	पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष	चाईबासा	पद्म श्री प्रह्लाद राय अगरवाला	पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष	कोलकाता
डॉ. हरि प्रसाद कानोड़िया	पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष	कोलकाता	श्री संतोष सराफ	पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष	कोलकाता

पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री

श्री रतन लाल साह	पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री	कोलकाता	श्री संजय कुमार हरलालका	निवर्तमान राष्ट्रीय महामंत्री	कोलकाता
श्री भानीराम सुरेका	पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री	कोलकाता			

प्रांतीय अध्यक्ष एवं महामंत्री

श्री चाँदमल अग्रवाल	अध्यक्ष	(आंध्र प्रदेश)	श्री रमाकांत सराफ	अध्यक्ष	(कर्नाटक)	श्री रमेश कुमार बंग	अध्यक्ष	(तेलंगाना)
श्री पोड़ेश्वर पुरोहित	महामंत्री	(आंध्र प्रदेश)	श्री शिव कुमार टेकरीवाल	महामंत्री	(कर्नाटक)	श्री राम प्रकाश भंडारी	महामंत्री	(तेलंगाना)
श्री युगल किशोर अग्रवाल	अध्यक्ष	(बिहार)	श्री विजय कुमार संकलेचा	अध्यक्ष	(मध्य प्रदेश)	श्री गोविंद अग्रवाल	अध्यक्ष	(उत्कल)
श्री सदानंद अग्रवाल	महामंत्री	(बिहार)	श्री श्याम सुंदर माहेश्वरी	महामंत्री	(मध्य प्रदेश)	श्री जयदयाल अग्रवाल	महामंत्री	(उत्कल)
श्री पुरुषोत्तम सिंघानिया	अध्यक्ष	(छत्तीसगढ़)	श्री राज कुमार पुरोहित	अध्यक्ष	(महाराष्ट्र)	श्री श्रीगोपाल तुलस्यान	अध्यक्ष	(उत्तर प्रदेश)
श्री अमर बंसल	महामंत्री	(छत्तीसगढ़)	श्री निकेश गुप्ता	महामंत्री	(महाराष्ट्र)	श्री टिकम चंद सेठिया	महामंत्री	(उत्तर प्रदेश)
श्री लक्ष्मीपत भुतोड़िया	अध्यक्ष	(दिल्ली)	श्री नंद किशोर अग्रवाल	अध्यक्ष	(पश्चिम बंग)	श्री संतोष खेतान	अध्यक्ष	(उत्तराखंड)
श्री सुंदर लाल शर्मा	महामंत्री	(दिल्ली)	श्री नितिन अग्रवाल	महामंत्री	(पश्चिम बंग)	श्री संजय जाजोदिया	महामंत्री	(उत्तराखंड)
श्री गोकुल चँद बजाज	अध्यक्ष	(गुजरात)	श्री कैलाश चंद काबरा	अध्यक्ष	(पूर्वोत्तर)	श्री श्याम सुंदर अग्रवाल	अध्यक्ष	(केरल)
श्री राहुल अग्रवाल	महामंत्री	(गुजरात)	श्री विनोद कुमार लोहिया	महामंत्री	(पूर्वोत्तर)	श्री भावेश चांडक	महामंत्री	(केरल)
श्री बसंत कुमार मित्तल	अध्यक्ष	(झारखंड़)	श्री विजय कुमार गोयल	अध्यक्ष	(तामिलनाडु)	श्री रमेश पेड़ीवाल	अध्यक्ष	(सिक्किम)
श्री रवि शंकर शर्मा	महामंत्री	(झारखंड़)	श्री मुरारी लाल सोंथलिया	महामंत्री	(तामिलनाडु)	श्री सुरेश कुमार अग्रवाल	महामंत्री	(सिक्किम)

बिहार

श्री अभिषेक कुमार जैन	(भागलपुर)	श्री कृष्णा मुरारी टिबड़ेवाल	(बेगुसराय)	श्री राजीव कुमार केजरीवाल	(मुजफ्फरपुर)
श्री अजय कुमार पोद्दार	(दरभंगा)	श्री मनीष कुमार सराफ	(मधेपुरा)	श्री राकेश बंसल	(पटना)
श्री अजय कुमार टिबड़ेवाल	(मधुबनी)	श्री मातादीन अग्रवाल	(भोजपुर)	श्री रमेश चंद्र गुप्ता	(पटना)
श्री आलोक कुमार चौधरी	(मधेपुर)	श्री मुकेश कुमार जैन	(बेगुसराय)	डॉ. रमेश कुमार केजरीवाल	(मुजफ्फरपुर)
श्री अमर कुमार दहलान	(सहरसा)	श्री नीरज कुमार गोयनका	(सीतामढ़ी)	श्री रमेश कुमार मिश्रा	(सुपौल)
श्री अमित कुमार अग्रवाल	(कटिहार)	श्री निर्मल कुमार झुनझुनवाला	(पटना)	श्री रमेश सुरेका	(पटना)
श्री अनिल कुमार चमड़िया	(कटिहार)	श्री ओम प्रकाश कानोड़िया	(भागलपुर)	श्री सदानंद अग्रवाल	(पटना)
श्री अनिल कुमार खेतान	(भागलपुर)	श्री ओम प्रकाश टिबड़ेवाल	(पटना)	श्री संजय कुमार मोदी	(पूर्व चंपारण)
श्री अशोक भिवानीवाला	(भागलपुर)	श्री पवन अग्रवाल	(सुपौल)	श्री शिव कैलाश डालमिया	(गया)
श्री अशोक कुमार अग्रवाल	(समस्तीपुर)	श्री पवन कुमार बंका	(मुजफ्फरपुर)	श्री श्याम सुंदर टिबड़ेवाल	(मुजफ्फरपुर)
श्री अशोक कुमार खेमका	(भागलपुर)	श्री पवन कुमार झुनझुनवाला	(रोहतास)	श्री सुभाष चंद्र अग्रवाल	(अररिया)
श्री अशोक कुमार तुलस्यान	(मुंगेर)	श्री पवन कुमार सुरेका	(दरभंगा)	श्री सुशील दहलान	(सहरसा)
श्री बिकास सराफ	(मधेपुरा)	श्री प्रभु नारायण जालान	(भोजपुर)	श्री सुशील कुमार कानोड़िया	(दरभंगा)
श्री बिनोद तोदी	(पटना)	श्री प्रमोद कुमार अग्रवाल	(मधेपुरा)	श्रीमती सुषमा अग्रवाल	(पटना)
श्री गणेश कुमार खेमका	(पटना)	श्री प्रेम कुमार सोमानी	(बेतिया)	श्री उमेश राजगढ़िया	(मुंगेर)
श्री गिरधारी लाल सराफ	(पटना सिटी)	श्री राधेश्याम बंसल	(पटना)	श्री विजय कुमार किशोरपुरिया	(पटना)
श्री हरि कृष्ण अग्रवाल	(पटना)	श्री राज किशोर बंका	(मुजफ्फरपुर)	श्री विनय कुमार डोकानिया	(भागलपुर)
श्री ईश्वर प्रसाद गोयनका	(पटना)	श्री राजेश कुमार गुप्ता	(पटना)	श्री विष्णु कुमार सुरेका	(पटना)
श्री कमल नोपानी	(पटना)	श्री राजेश सीकरिया	(पटना)	डॉ. विश्वनाथ सराफ	(सुपौल)
				श्री युगल किशोर अग्रवाल	(सुपौल)

बसंत पंचमी

पुराणों के अनुसार बंसत पंचमी के दिन ही माता सरस्वती का जन्म हुआ था। माँ सरस्वती को विद्या, बुद्धि, संगीत, कला और ज्ञान की देवी माना जाता है। इस दिन माँ सरस्वती से विद्या, बुद्धि, कला और ज्ञान का वरदान माँगा जाता है।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण: बसंत पंचमी से ठंड की अनुभूति कम होने लगती है और मौसम में संतुलन बना रहता है। इसके साथ बसंत पंचमी पर्व के दिन पीले रंग का प्रयोग सर्वाधिक किया जाता है। हिंदू धर्म में इस रंग का महत्व बहुत अधिक है, किंतु वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी इस रंग को बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। इस रंग को डिप्रेशन दूर करने में सबसे कारगर माना जाता है। साथ ही यह दिमाग को पूर्णतः सक्रिय रखने में मददगार साबित होता है। इस रंग से आत्मविश्वास में भी वृद्धि होती है।

सादगी और निर्मलता को दर्शाता है पीला रंग : हर रंग की अपनी खासियत है जो हमारे जीवन पर गहरा असर डालती है। हिंदू धर्म में पीले रंग को शुभ माना गया है। पीला रंग, शुद्ध और सात्विक प्रवृत्ति का प्रतीक माना जाता है। यह सादगी और निर्मलता को भी दर्शाता है। पीला रंग भारतीय परंपरा में शुभ का प्रतीक माना गया है।

आत्मा से जोड़ने वाला रंग : फेंगशुई ने भी इसे आत्मिक रंग अर्थात आत्मा या अध्यात्म से जोड़ने वाला रंग बताया है। फेंगशुई के सिद्धांत ऊर्जा पर आधारित है। पीला रंग सूर्य के प्रकाश का है, यानी यह ऊष्मा शक्ति का प्रतीक है। पीला रंग हमें तारतम्यता, संतुलन, पूर्णता और एकाग्रता प्रदान करता है।

सक्रिय होता है दिमाग : पीला रंग के माध्यम से दिमाग में उठने वाली तरंगें खुशी का अहसास कराती हैं। जो आत्मविश्वास में भी वृद्धि करती है। जब हम पीले परिधान पहनते हैं तो सूर्य की किरणें प्रत्यक्ष रूप से दिमाग पर असर डालती हैं।

विद्या ददाति विनयं विनयाद् याति पात्रताम्।
पात्रत्वात् धनमाप्नोति धनात् धर्मं ततः सुखम्।।

विद्या हमें विनम्रता प्रदान करती है। विनम्रता से योग्यता आती है। और योग्यता से हमें धन प्राप्त होता है। जिससे हम धर्म के कार्य करते हैं। और हमें सुख मिलता है।

कहानी अष्टावक्र ऋषि और जनक राजसभा की

ऋषि अष्टावक्र का शरीर कई जगह से टेढ़ा-मेढ़ा था, इसलिए वह सुंदर नहीं दिखते थे। एक दिन जब ऋषि अष्टावक्र राजा जनक की सभा में पहुँचे तो उन्हें देखते ही सभा के सभी सदस्य हँस पड़े। ऋषि अष्टावक्र सभा के सदस्यों को हँसता देखकर वापस लौटने लगे। यह देखकर राजा जनक ने ऋषि अष्टावक्र से पूछा - "भगवन्! आप वापस क्यों जा रहे हैं?" ऋषि अष्टावक्र ने उत्तर दिया - "राजन! मैं मूर्खों की सभा में नहीं बैठता।" ऋषि अष्टावक्र की बात सुनकर सभा के सदस्य नाराज हो गए और उनमें से एक सदस्य ने क्रोध में बोल ही दिया - "हम मूर्ख क्यों हुए? आपका शरीर ही ऐसा है तो हम क्या करें?"

ऋषि अष्टावक्र ने उत्तर दिया- "तुम लोगों को यह नहीं मालूम कि तुम क्या कर रहे हो! अरे, तुम मुझ पर नहीं, सर्वशक्तिमान ईश्वर पर हँस रहे हो। मनुष्य का शरीर तो हांडी की तरह है, जिसे ईश्वर रूपी कुम्हार ने बनाया है। हांडी की हँसी उड़ाना क्या कुम्हार की हँसी उड़ाना नहीं हुआ?" अष्टावक्र का यह तर्क सुनकर सभी सभा सदस्य लज्जित हो गए और उन्होंने ऋषि अष्टावक्र से क्षमा माँगी।

सीख : हमारे में से ज्यादातर लोग आमतौर पर किसी ना किसी व्यक्ति को देखकर हँसते हैं, उनका मजाक उड़ाते हैं कि वह कैसा भद्दा दिखता है या कैसे भद्दे कपड़े पहने हुए है। लेकिन, जब हम ऐसा करते हैं तो हम परमात्मा का ही मजाक उड़ाते हैं ना कि उस व्यक्ति का। इनसान के व्यक्तित्व का निर्माण उसका रंग, शरीर या कपड़ों से नहीं हुआ करता, बल्कि व्यक्तित्व का निर्माण मनुष्य के विचारों एवं उसके आचरण से हुआ करता है।

ज्ञान गंगा

जीवन का महत्व

आयुषः क्षण एकोऽपि सर्वरत्नैर्न लभ्यते।
नीयते स वृथा येन प्रमादः सुमहानहो।।

सभी कीमती रत्नों से कीमती जीवन है, जिसका एक क्षण भी वापस नहीं पाया जा सकता है। इसलिए, इसे फालतू के कार्यों में खर्च करना बहुत बड़ी गलती है।

छात्र के गुण

काक चेष्टा, बको ध्यानं, स्वान निद्रा तथैव च।
अल्पहारी, गृहत्यागी, विद्यार्थी पंच लक्षणं।।

हर विद्यार्थी में हमेशा कौवे की तरह कुछ नया सीखने की चेष्टा, एक बगुले की तरह एकाग्रता और केंद्रित ध्यान एक आहट में खुलने वाली कुत्ते के समान नींद, गृहत्यागी और यहाँ पर अल्पाहारी का मतलब अपनी आवश्यकता के अनुसार खाने वाला जैसे पाँच लक्षण होते हैं।

चरण छूकर प्रणाम करने के फायदे...

1. चरण छूने का मतलब है पूरी श्रद्धा के साथ किसी के आगे नतमस्तक होना। इससे विनम्रता आती है, मन को शांति मिलती है साथ ही चरण छूने वाला दूसरों को भी अपने आचरण से प्रभावित करने में कामयाब होता है।

2. जब हम किसी आदरणीय व्यक्ति के चरण छूते हैं, तो आशीर्वाद के तौर पर उनका हाथ हमारे सिर के ऊपरी भाग को और हमारा हाथ उनके चरण को स्पर्श करता है। ऐसी मान्यता है कि इससे उस पूजनीय व्यक्ति की सकारात्मक ऊर्जा, आशीर्वाद के रूप में हमारे शरीर में प्रवेश करती है। इससे हमारा आध्यात्मिक तथा मानसिक विकास होता है।

3. शास्त्रों में कहा गया है कि हर रोज बड़ों के अभिवादन से आयु, विद्या, यश और बल में बढ़ोतरी होती है।

4. माना जाता है कि पैर के अंगूठे से भी शक्ति का संचार होता है। मनुष्य के पांव के अंगूठे में भी ऊर्जा प्रसारित करने की शक्ति होती है।

5. इसका मनोवैज्ञानिक पक्ष यह है कि जिन लक्ष्यों की प्राप्ति को मन में रखकर बड़ों को प्रणाम किया जाता है, उस लक्ष्य को पाने का बल मिलता है।

6. आगे की ओर झुकने से सिर में रक्त प्रवाह बढ़ता है, जो सेहत के लिए फायदेमंद है।

बच्चों का मानसिक विकास कैसे करें?

अभिभावक बच्चों के पौष्टिक भोजन व अन्य चीजों का खास ध्यान रखते हैं, लेकिन बच्चों की मानसिक और भावनात्मक जरूरतों को उतना स्पष्ट रूप से नहीं समझ पाते हैं। अगर बच्चों का मानसिक विकास बेहतर तरीके से होता है, तो बच्चों में स्पष्ट रूप से सोचने, सामाजिक रूप से विकसित होने और नए कौशल सीखने की क्षमता बढ़ती है।

बच्चों के मानसिक विकास के लिए इन बातों का रखें ध्यान :–

सीखने के लिए करें प्रोत्साहित : आपका बच्चा कुछ नया कर रहा है, तो मुस्कुराकर उसे इस बात के लिए शाबाशी दें। साथ ही उसकी गतिविधियों में शामिल हों। आपका ध्यान उनके आत्मविश्वास और आत्मसम्मान को मजबूत करता है।

बच्चों के साथ रहें ईमानदार : अपनी असफलताओं को कभी भी अपने बच्चों से छुपाएँ नहीं। उनके लिए यह जानना बहुत ही जरूरी है कि हम सभी गलतियाँ करते हैं, लेकिन उन गलतियों से सीख लेना हमारे हाथ में होता है।

व्यंग्यात्मक टिप्पणियों से बचें : अगर आपका बच्चा किसी खेल में हार जाता है या फिर परीक्षा में असफल हो जाता है तो इस स्थिति में उनके ऊपर किसी तरह की टिप्पणी करने से बचें। बच्चा निराश है, तो उसके अंदर फिर से जोश भरने की कोशिश करें।

खेलने के लिए करें प्रोत्साहित : बच्चों का मानसिक विकास न सिर्फ पढ़ाई-लिखाई से बेहतर होता है, बल्कि खेलने और कूदने से भी उनका मानसिक विकास अच्छे से हो सकता है।

दोस्त भी है जरूरी : कभी-कभी बच्चों के लिए अपने साथियों के साथ समय बिताना महत्वपूर्ण होता है। इससे अपनेपन की भावना विकसित होती है। साथ ही उन्हें यह सीखने को मिलता है कि दूसरों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए।

बच्चों के साथ बिताएँ समय : अपने विचारों को उनके साथ शेयर करें और उनके विचारों को समझने की कोशिश करें।

टीवी और मोबाइल पर रखें नजर : बच्चों को हमेशा टीवी या फिर मोबाइल गेम न खेलने दें। आप कुछ अच्छे टीवी शो को चुनकर दे सकते हैं।

बच्चों में खुद के प्रति विश्वास का करें निर्माण : अपने बच्चों पर विश्वास करें और उन्हें इस बात का एहसास दिलाएँ की आप उनके साथ हैं और जब तक उनके साथ रहेंगे, तब तक उनके साथ कुछ भी बुरा नहीं हो सकता है। उनके डर को दूर करने की कोशिश करें। उनकी उदासी और चिंता को खत्म करें, उन्हें भरपूर प्यार दें।

जीतिए पुरस्कार

सभी अभिभावकों से हमारा अनुरोध है कि घर में बच्चों, युवाओं तक इन सामग्री को पहुँचाएँ एवं यह सुनिश्चित करें कि वह इनका पठन-पाठन करें। बच्चों द्वारा इन विषयों पर उनकी सम्मति विशेष रूप से आमंत्रित है। अंक में समाहित ज्ञान गंगा एवं अन्य विषयों पर बच्चों एवं युवकों की राय की प्रतीक्षा रहेगी। यह प्रयास तभी सफल होगा जब प्रत्येक घर में अभिभावक एवं बच्चे इन विषयों पर चर्चा करें एवं अपनी प्रतिक्रिया दें। बच्चों द्वारा भेजी गई तीन श्रेष्ठ राय पर पुरस्कार देने की भी योजना है। आप अपनी प्रतिक्रिया हमें editorsamajvikas@gmail.com पर भेज सकते हैं। - **संपादक**

प्रेरक प्रसंग

निडर और पक्का इरादा

बहुत पुराने समय की बात है। एक गुरुकुल में कुछ बच्चे अपने गुरु के साथ बैठकर पढ़ाई कर रहे थे। गुरु अपने सभी बच्चों को अच्छे से समझा और पढ़ा रहे थे। लेकिन, बहुत समझाने के बावजूद भी एक बच्चे को चीजें समझ में नहीं आ रही थी। गुरु ने उस बच्चे से गुस्से में अपनी हथेली दिखाने के लिए कहा। बच्चे का हाथ देखकर गुरु ने बच्चे को पढ़ाई छोड़कर घर जाने के लिए कहा, क्योंकि उस बच्चे के हाथ में पढ़ाई की रेखा नहीं थी।

तभी उस बच्चे ने एक छोटा चाकू निकालकर अपने हाथ पर गहरा निशान बना दिया और कहा कि अब तो मेरे हाथ पर पढ़ाई की रेखा है, गुरु जी? तो क्या मैं पढ़ सकता हूँ। गुरु ने बच्चे के इस हिम्मत को देखकर कहा, तुम्हें कोई भी चीज पढ़ने से नहीं रोक सकती। यह बच्चा और कोई नहीं महर्षि पाणिनि थे, जिन्होंने अष्टाध्यायी संस्कृत व्याकरण ग्रंथ की रचना की है।

सीख : हमलोगों को भी अपनी जिंदगी में अपने सपनों के लिए इस बच्चे की तरह ही निडर और अपने इरादों को पक्का रखना होगा। चाहे दुनिया आपसे कुछ भी क्यों न कहें।

- अच्छा दिखने के लिए मत जिओ, बल्कि अच्छा बनने के लिए जिओ।
- जो झुक सकता है वह सारी, दुनिया को झुका सकता है।
- अगर बुरी आदत समय पर न बदली जाए तो बुरी आदत समय बदल देती है।
- चलते रहने से ही सफलता मिलती है, रुका हुआ तो पानी भी बेकार हो जाता है।
- झूठे दिलासे से स्पष्ट इनकार बेहतर है।
- अच्छी सोच, अच्छी भावना, अच्छा विचार, मन को हल्का करता है।
- मुसीबत सब पर आती है, कोई बिखर जाता है और कोई निखर जाता है।

दो बिल्लियाँ और एक चालाक बंदर

यह कहानी दो बिल्लियों की है जिसमें वह दोनों केक के लिए लड़ रहीं थी। एक बंदर ने उन्हें देखा और दोनों को केक बराबर हिस्से में बाँटने के लिए मदद करने को कहा। केक को आधा करने के बाद बंदर ने कहा कि यह बराबर टुकड़ों में नहीं है। और बड़े टुकड़े से थोड़ा सा केक खा लिया। फिर उसने दूसरे टुकड़े से भी थोड़ा सा केक खा कर बोला कि यह अब भी बराबर नहीं है। अंत में ऐसा करते-करते वह पूरा केक खुद ही खा गया।

नैतिक शिक्षा : जब हम आपस में लड़ते हैं तो फायदा दूसरे उठाते हैं।

बूझो तो जानें...

1. इनसान की ऐसी चीज जो उसकी है पर इस्तेमाल पूरी दुनिया करती है।
2. इतनी नाजुक है यह चीज, कुछ बोलते ही टूट जाएगी।

उत्तर अगले अंक में –

जनवरी अंक का उत्तर- 1. घड़ी की सुई 2. सीढ़ी

रेत का घर

आओ, बनाएँ रेत का घर,
एक बस्ती और एक नगर,
छोटी गुड़िया रहेगी घर में,
इस बस्ती और इस नगर में,
सब नाचेंगे ता-ता थैया,
गौरी माला भोलू-भैया,
रेत की होगी सभी डगर।
आओ, बनाएँ रेत का घर।

आइए मारवाड़ी भाषा सीखें

हम मारवाड़ी में परिचय देना सीखते हैं। आइए जानते हैं कि मारवाड़ी में बात कैसे शुरू करें।

हिंदी	मारवाड़ी	अंग्रेजी
नमस्ते	राम राम सा!	Hello!
आपका नाम क्या है?	थाको नाव काई हैं? सा!	What's your name?
मेरा नाम..... है	मारो नाव..... है, सा!	My name is....
आप कैसे हो?	थै किया हों? सा!	How are you?
मैं ठीक हूँ	मैं चोखों हूँ, सा!	I am fine.
अपने बारे में बताओ?	थाके बारे में बताओ? सा!	What about you?
मैं भी ठीक हूँ	मैं ही चोखों हूँ, सा!	I am fine too.
आप क्या करते हो?	थै काई करो? सा!	What do you do?
मैं पढ़ाई करता हूँ	मैं पढ़ूं, सा!	I study.
आप किस कक्षा में अध्ययन करते हैं?	थै कोणसी कक्षा में पढ़ो हो। सा?	In which class do you study?
मैं 10वीं कक्षा में पढ़ता हूँ	मैं दसवीं में पढ़ो हूं। सा!	I study in class 10th.
आप कहाँ रहते हैं?	थै कटे रेवो हों? सा!	Where do you live?
मैं अभी जयपुर में रह रहा हूँ।	मैं अबार जैपर रेवो। सा!	I am currently living in Jaipur.
आप कहाँ से हैं?	थाको विराजणों कटे हैं? सा!	Where are you from?
मैं नागौर से हूँ।	मारो विराजणों नागौर हैं। सा!	I am from Nagaur.
कौन है?	कुण है? सा!	Who is it?
यह कौन है?	ए कुण है?	Who is this?

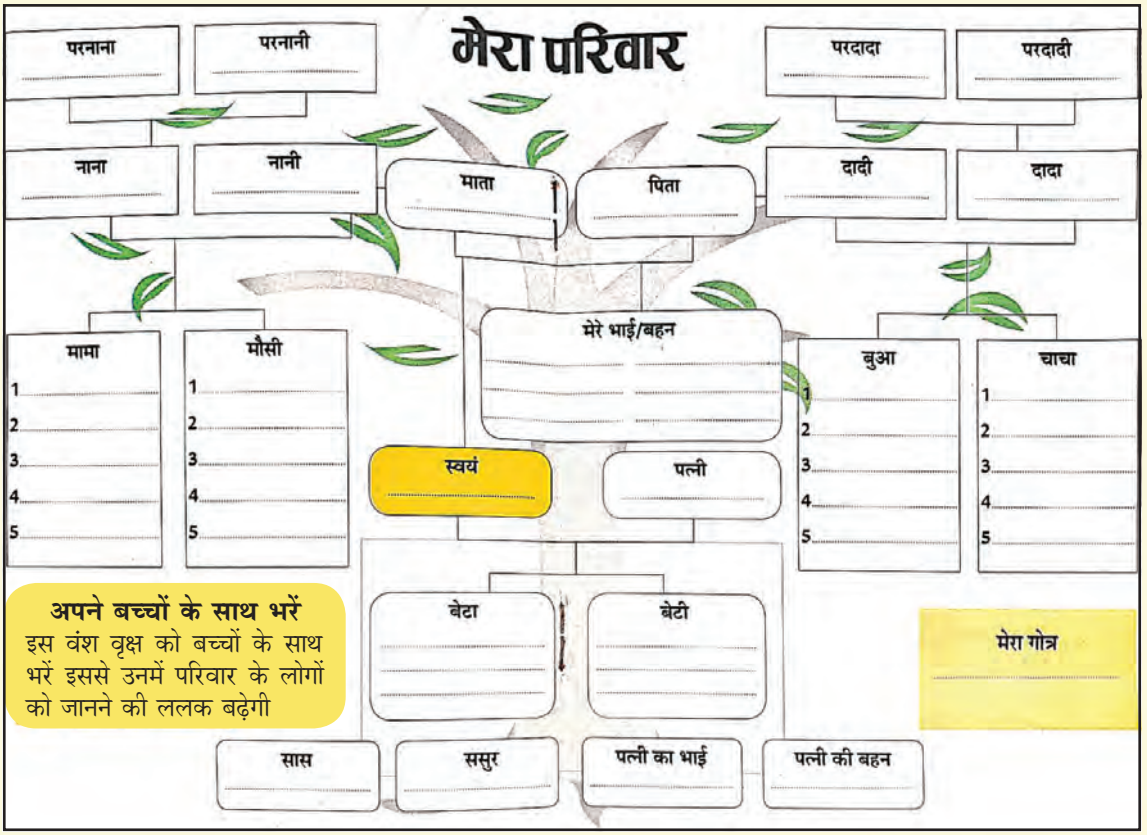

झारखंड

श्री अजय मारू (राँची)
श्री अमर नाथ बामलिया (सिमदेगा)
श्री अमरनाथ टेकड़ीवाल (गोड्डा)
श्री अशोक चौधुरी (साकची)
श्री अशोक कुमार भालोटिया (साकची)
श्री चेतन प्रकाश गोयनका (धनबाद)
श्री गोविंद प्रसाद डालमिया (देवघर)
श्री जय प्रकाश सिंघानिया (राँची)
श्री जीतेंद्र जैन (चतरा)
श्री केदार नाथ मित्तल (धनबाद)
श्री कृष्ण कुमार अग्रवाल (धनबाद)
श्री ललित कुमार पोद्दार (राँची)
श्री महेश पोद्दार (राँची)
श्री ओम प्रकाश रिंगासिया (साकची)
श्री पवन कुमार अग्रवाल (गुमला)
श्री पवन कुमार शर्मा (राँची)
श्री प्रदीप कुमार चौधुरी (सराईकेला)
श्री प्रदीप कुमार राजगढ़िया (राँची)
श्री प्रदीप कुमार अग्रवाल (गिरिडीह)
श्री पुरुषोत्तम शर्मा (चाईबासा)
श्री राजेंद्र कुमार मेहरिया (दुमका)
श्री राजेश कुमार अग्रवाल (साहिबगंज)
श्री राकेश जैन (राँची)
श्री राम रतन महर्षि (कोडरमा)
श्री रंजीत डालमिया (देवघर)
श्री सांवर लाल शर्मा (जुगसलाई)
श्री सौरभ सरावगी (राँची)
श्री शिव हरि बंका (बोकारो)
श्री शिव कुमार सराफ (देवघर)
श्री शिव प्रसाद राजगढ़िया (लोहारदगा)
श्री शिव शंकर साबू (राँची)
श्री श्रीपाल जैन बोथरा (खूँटी)
श्री सुमेर जैन सेठी (हजारीबाग)
श्री सुशील कुमार अग्रवाल (लतेहार)
श्री विमल बुधिया (रामगढ़ कैंट)
श्री विश्वनाथ नरसारिया (राँची)
श्री बसंत हेतमसरिया (रामगढ़)
श्री प्रभाकर अग्रवाल (राँची)

पूर्वोत्तर

श्री अनिल कुमार शर्मा (नगाँव)
श्री अशोक अग्रवाल (गुवाहाटी)
श्री भैरू शर्मा (बरपेटा)
श्री बीरेन कुमार अगरवाला (शिबसागर)
श्री चंचल कुंडलिया (जोरहाट)
श्री छतर सिंह गिरीया (लखिमपुर)
श्री छतर सिंह पवार (सोनितपुर)
श्री दिनेश गुप्ता (गुवाहाटी)
श्रीमती स्मिता शर्मा (बरपेटा)
श्री जुगल किशोर डागा (सोनितपुर)
श्री ललित कुमार कोठारी (नगाँव)
श्री महेश कुमार जैन (डिब्रूगढ़)
श्री मनोज कुमार जैन (काला) (गुवाहाटी)
श्री निरंजन सीकरिया (गुवाहाटी)
श्री कृष्ण कुमार जालान (गुवाहाटी)
श्री ओम प्रकाश पचर (बंदरदेवा)
श्री ओम प्रकाश गट्टानी (जोरहाट)
श्री पंकज कुमार पोद्दार (गुवाहाटी)
श्री पवन केजरीवाल (तिनसुकिया)
श्री प्रदीप खडरिया (दरगाँव)
श्री प्रदीप नवका (गोलाघाट)
श्री प्रदीप काबरा (दरगाँव)
श्री राज कुमार सराफ (उत्तर लखिमपुर)
श्री राजेंद्र कुमार हरलालका (बोंगाईगाँव)
श्री रमेश चांडक (गुवाहाटी)
श्री राँबिन बुकालसरिया (डिब्रूगढ़)
श्री रूपचंद करनानी (शिबसागर)
श्री संजय कुमार गाड़ोदिया (हैबरगाँव)
श्री संतोष शर्मा (गुवाहाटी)
श्री शंकर बिरला (गुवाहाटी)
श्री सुरेंद्र अग्रवाल (तिनसुकिया)
श्री सुरेश सिरोहिया (सोनितपुर)
श्री सुशील कुमार गोयल (गुवाहाटी)
श्री उमेश खंडेलवाल (धेमाजी)
श्री विमल अग्रवाल (मोरनहाट)

उत्कल

श्री अनिल कुमार अग्रवाल (झारसुगुड़ा)
श्री बिजय कुमार अग्रवाल (लाडुगाँव)
श्री बिजय कुमार अग्रवाल (रुप्रा रोड)
श्री बिजय कुमार केडिया (संबलपुर)
श्री बिनोद कुमार अग्रवाल (बरगढ़)
श्री चंपक कुमार अग्रवाल (जुनागढ़)
श्री चंद्र कुमार सराफ (संबलपुर)
श्री धर्मेन्द्र प्रसाद मोर (बालासोर)
श्री दिनेश जोशी (कटक)
श्री दिनेश कुमार अग्रवाल (खड़ियार)
श्री दुर्गा प्रसाद अग्रवाल (बरगढ़)
श्री हनुमान प्रसाद अग्रवाल (भवानीपटना)
श्री जय प्रकाश तयाल (बलांगीर)
श्री केदार नाथ तुलसी राम जैन (बलांगीर)
श्री किशन लाल अग्रवाल (बरगढ़)
श्री किशोर अग्रवाल (बरगढ़)
श्री महेंद्र कुमार केडिया (झारसुगुड़ा)
श्री महेश झाझरिया (संबलपुर)
श्री मंगत् राम अग्रवाल (संबलपुर)
श्री नंद किशोर जैन (केसिंगा)
श्री निर्मल कुमार पूर्बा (कटक)
श्री ओम प्रकाश खेतान (झारसुगुड़ा)
श्री प्रदीप कुमार अगरवाला (बलांगीर)
श्री प्रदीप कुमार अग्रवाल (बरगढ़)
श्री प्रकाश कुमार गोयल (बलांगीर)
श्री पुरुषोत्तम अगरवाला (अंगुल)
श्री राजेश कुमार अग्रवाल (कालाहांडी)
श्री रोहित लिहला (आंगुल)
श्री सजन कुमार भूत (रायरंगपुर)
श्री संजय अग्रवाल (कांटाभंजी)
श्री संतोष कुमार अग्रवाल (कालाहांडी)
श्री श्रबन कुमार अग्रवाल (कालाहांडी)
श्री सुभाष केडिया (कटक)
श्री सुरेश अग्रवाल (बरगढ़)
श्री सुरेश कुमार अग्रवाल (टेनवाला) (संबलपुर)

कर्नाटक

श्री अरुण कुमार खेमका (बेंगलुरु)
श्री बिकास पोद्दार (बेंगलुरु)
श्री महेश अग्रवाल (बेंगलुरु)
श्री प्रकाश मित्तल (बेंगलुरु)
श्री संजय चौधरी (बेंगलुरु)
श्री संजय जाजोदिया (बेंगलुरु)

मध्य प्रदेश

श्री अभिषेक टुग्नावत (इंदौर)
श्री भरत शर्मा (इंदौर)
श्री कृष्ण कुमार शर्मा (कटनी)
श्रीमती मंजु खंडेलवाल (जबलपुर)
श्री नरेंद्र कुमार सोनी (भोपाल)
श्रीमती निर्मला माहेश्वरी (जबलपुर)
श्री रामावतार चमड़िया (सतना)
श्री रमेश कुमार गर्ग (जबलपुर)
श्रीमती रश्मी अग्रवाल (जबलपुर)
श्री संतोष ओसवाल (जबलपुर)
श्री यतीश अग्रवाल (जबलपुर)
श्री जोगेश दत्त शर्मा (जबलपुर)

तमिलनाडु

श्री अजय कुमार नाहर (चेन्नई)
श्री अनुराग माहेश्वरी (चेन्नई)
श्री अशोक केडिया (चेन्नई)
श्री अशोक कुमार लाखोटिया (चेन्नई)
श्री गोविंद प्रसाद (चेन्नई)
श्री हितेश कानोड़िया (चेन्नई)
श्री कृष्ण कुमार नथानी (चेन्नई)
श्री मोहनलाल बाजाज (चेन्नई)
श्री राम अवतार रूँगटा (चेन्नई)
श्री संजीव अग्रवाल (तिरुवल्लुर)

उत्तर प्रदेश

श्री आनंद कुमार लाडिया (वाराणसी)
श्री अनिल कुमार जाजोदिया (वाराणसी)
श्री दिलीप खेतान (वाराणसी)
श्री गोपाल सुतवाला (कानपुर)
श्री मनमोहन लोहिया (वाराणसी)
श्री नारायण खेमका (वाराणसी)
श्री ओम प्रकाश अग्रवाल (कानपुर)
श्री उमाशंकर अग्रवाल (वाराणसी)

दिल्ली

श्री बसंत कुमार पोद्दार (दिल्ली)
श्री दिलीप कुमार बंका (फरीदावाद)
श्री लक्ष्मीपत भूतोड़िया (दिल्ली)
श्री मन्नालाल बेद (दिल्ली)
श्री नवरतन मल अग्रवाल (दिल्ली)
श्री ओम प्रकाश अग्रवाल (दिल्ली)
श्री पवन कुमार गोयनका (दिल्ली)
श्री प्रदीप शर्मा (दिल्ली)
श्री राधेश्याम बंसल (दिल्ली)
श्री राज कुमार मिश्र (दिल्ली)
श्री रमेश कुमार बजाज (दिल्ली)
श्री सज्जन शर्मा (दिल्ली)
श्री सुभाष जैन (दिल्ली)
श्री सुंदर लाल शर्मा (दिल्ली)
श्री सुरेश अग्रवाल (दिल्ली)
श्री सुरेश पोद्दार (दिल्ली)
श्री विनोद किल्ला (दिल्ली)

छत्तीसगढ़

श्री गिरधर गोपाल अग्रवाल (रायपुर)
श्री नारायण भुसानिया (रायपुर)
श्री प्रवीण सिंघानिया (रायपुर)
श्री सुनील कुमार लाठ (रायपुर)
श्री सुरेश कुमार चौधरी (रायपुर)

गुजरात

श्री हेमंत गर्ग (सूरत)
श्री सुरेंद्र कुमार अग्रवाल (सूरत)
श्री सुशील अग्रवाल (सूरत)
श्री ताराचाँद अग्रवाल (सूरत)
श्री योगेश रामसिसरिया (सूरत)

उत्तराखंड

श्री अजय शर्मा (हरिद्वार)
श्री अमित अग्रवाल (हरिद्वार)
श्री अमित जालान (हरिद्वार)
श्री मनोज कुमार गोयल (हरिद्वार)
श्री विनोद कुमार अग्रवाल (हरिद्वार)

तेलंगाना

श्री बद्रीविशाल मुंडाड़ा (सिकंदराबाद)
श्री द्वारका प्रसाद असावा (हैदराबाद)
श्री गोपाल बंग (हैदराबाद)
श्री गोपाल कृष्ण देव शर्मा (हैदराबाद)
श्री युगल किशोर वर्मा (हैदराबाद)

आंध्र प्रदेश

श्री कन्हैया लाल पारख (विशाखापट्नम)
श्री मनोज कुमार अग्रवाल (कांकुलम)
श्री एस. मनोज गुप्ता (तिरुपती)
श्री शंकरलाल शर्मा (विशाखापट्नम)
श्री सुमन प्रकाश सरावगी (विशाखापट्नम)

महाराष्ट्र

श्री चंदुलाल मोहनलाल बियानी (बीड)
श्री गोविंद लक्ष्मीनारायण पारीख (लातुर)
श्री निकेश गुप्ता (अकोला)
श्री राज कुमार पुरोहित (मुंबई)
श्री रमेश चंद्र गोपीकिशन बंग (नागपुर)

केरल

श्री अशोक अग्रवाल (एर्नाकुलम)
श्री मोहनलाल सुदा (एर्नाकुलम)
श्री नरेंद्र कुमार (एर्नाकुलम)
श्री शिव कुमार अग्रवाल (एर्नाकुलम)
श्री विनय सिंहल (एर्नाकुलम)

सिक्किम

श्री मोहन लाल उपाध्याय (गैंगटोक)
श्री ओम प्रकाश थिरानी (गैंगटोक)
श्री पवन कुमार मित्तल (गैंगटोक)
श्री सजन कुमार अग्रवाल (गैंगटोक)
श्री सुभाष डागा (गैंगटोक)

पश्चिम बंगाल

श्री अनिल कुमार डालमिया (कोलकाता)
श्री अनिल कुमार मल्लावत (कोलकाता)
श्री अशोक कुमार कजारिया (दुर्गापुर)
श्री आत्मा राम कयाल (कोलकाता)
श्री विष्णु पोद्दार (हावड़ा)
श्री विश्वनाथ खरकिया (कोलकाता)
श्री विश्वनाथ सिंघानिया (कोलकाता)
श्री चेतन मुरारका (कोलकाता)
श्री दामोदर लाल मोर (कोलकाता)
श्री गोपी राम धुवालिया (कोलकाता)
श्री जयगोविंद इन्दोरिया (कोलकाता)
श्री काशी प्रसाद धेलिया (कोलकाता)
श्री मनीष जैन (कोलकाता)
श्री मनोज अग्रवाल (कोलकाता)
श्री मनोज चाँदगोठिया (कोलकाता)
श्री मनोज गोयल (हावड़ा)
श्री मिनू पोद्दार (कोलकाता)
श्री नवीन गोपालिका (कोलकाता)
श्री पवन जैन (कोलकाता)
श्री पवन कुमार बंसल (कोलकाता)
श्री पवन परसरामपुरिया (कोलकाता)
श्री पीयूष केयाल (कोलकाता)
श्री प्रदीप जीवराजका (कोलकाता)
श्री प्रदीप कुमार बंसल (कोलकाता)
श्री प्रदीप कुमार केडिया (हावड़ा)
श्री प्रदीप कुमार सितानी (जलपाईगुड़ी)
श्री प्रमोद कुमार अग्रवाल (रिसड़ा)
श्री राधा किशन सफ्फर (कोलकाता)
श्री राज कुमार अग्रवाल (कर्सियांग)
श्री राज कुमार अग्रवाल (कोलकाता)

पश्चिम बंगाल

श्री राजेश कुमार पोद्दार (कोलकाता)
श्री रमेश कुमार बूबना (कोलकाता)
श्री सज्जन बेरिवाल (कोलकाता)
श्री संदीप सेक्सरिया (कोलकाता)
श्री संजय अग्रवाल (कोलकाता)
श्री संजय भरतीया (हावड़ा)
श्री संजय शर्मा (कोलकाता)
श्री शंकर लाल हरलालका (कोलकाता)
श्री सुभाष चंद्र गोयनका (कोलकाता)
श्री सुरेश कुमार अग्रवाल (कोलकाता)
श्री विनय कुमार सराफ (कोलकाता)

मनोनीत सदस्य

श्री अरूण चूड़ीवाल (कोलकाता)
श्री अरुण कुमार अग्रवाल (गुवाहाटी)
श्री आत्माराम सोंथलिया (कोलकाता)
श्री बीरेंद्र कुमार धोका (जलना)
श्री चंडी प्रसाद डालमिया (राँची)
श्री गिरधारी लाल खेमानी (कोलकाता)
श्री गोविंद प्रसाद अग्रवाल (नैहाटी)
श्री जगदीश गोलपुरिया (बरगढ़)
श्री कमलेश कुमार नाहटा (जबलपुर)
श्री नंदलाल सिंघानिया (कोलकाता)
श्री नरेंद्र कुमार तुलस्यान (कोलकाता)
श्री निर्मल कुमार काबरा (जमशेदपुर)
श्री ओम प्रकाश प्रणव (राँची)
श्री पंकज जालान (बेंगलुरू)
श्री राज कुमार तिवाड़ी (गुवाहाटी)
श्री रमेश खीरवाल (चाईबासा)
श्री रंजीत कुमार टिबड़ेवाल (हरिद्वार)
श्री रतन लाल बंका (राँची)
डॉ. श्याम सुंदर हरलालका (गुवाहाटी)
श्री सुरेंद्र कुमार अगरवाला (धनबाद)
श्री सुरेश चंद अग्रवाल (राँची)
श्री सुरेश कुमार कमानी (कटक)
श्री वासु देव सराफ (पटना)
श्री विनोद कुमार जैन (राँची)
श्री अरुण प्रकाश मल्लावत (कोलकाता)
श्री गिरिधर धेलिया (कोलकाता)
श्री रवि लोहिया (कोलकाता)
श्री संतोष कुमार मोहता (कोलकाता)
श्री शशिकांत साह (कोलकाता)
श्री राजेश ककरानिया (कोलकाता)

नोट : सम्मेलन के सभी माननीय विशिष्ट संरक्षक सदस्य स्वतः ही अखिल भारतीय समिति के सदस्य हैं।

सम्मेलन परिवार की ओर से हार्दिक बँधाई!

सम्मेलन के आजीवन सदस्य श्री रंजीत कुमार अग्रवाल के 'दि इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया' के अध्यक्ष निर्वाचित होने पर ढेरों बधाई!

प्रादेशिक समाचार : उत्कल

केसिंगा शाखा कार्यालय का भूमिपूजन

उत्कल प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन, केसिंगा शाखा के कार्यालय के ३१ जनवरी २०२४ के भूमिपूजन में भवानीपट ना, रूपरा रोड की जिला समिति के सदस्यों ने भाग लिया। भूमिपूजन की शुरुआत सेनपाल वर्मा द्वारा प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. गोविंद अग्रवाल के माध्यम से मारवाड़ी सम्मेलन, केसिंगा शाखा की भूमिदान के साथ हुई। डॉ. गोविंद अग्रवाल ने कहा कि यह उत्कल प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के लिए मील का पत्थर है। डॉ. अग्रवाल ने सेनपाल वर्मा और केसिंगा शाखाध्यक्ष को प्रांतीय सम्मेलन द्वारा सम्मानित किया। शाखाध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल, प्रांतीय उपाध्यक्ष दिनेश जोशी, संबलपुर संभाग उपाध्यक्ष मंटू राम और शाखा अध्यक्ष बलांगीर मनोज जैन इस अवसर पर उपस्थित थे।

उपलब्धियाँ

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के संरक्षक सदस्य मुजफ्फरपुर निवासी संजय कुमार केजड़ीवाल जो मुजफ्फरपुर नगर निगम के वार्ड पार्षद भी हैं की पुत्री **साक्षी केजड़ीवाल** ने पहले प्रयास में सीए. की परीक्षा उत्तीर्ण की है। हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ!

प्रादेशिक समाचार : कर्नाटक

बेंगलुरु में गणतंत्र दिवस का पालन

२६ जनवरी को कर्नाटक के राजभवन में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुभाष अग्रवाल, प्रदेश कांग्रेस समिति, कर्नाटक के महासचिव व गृह मंत्री परमेश्वर, उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, विधानसभा अध्यक्ष बसवराज होरत्ती, मुख्य सचिव रजनीश गोयल के साथ शामिल हुए।

प्रादेशिक समाचार : पश्चिम बंग

सम्मेलन की भावी गतिविधियों पर विचार-विमर्श

२८ जनवरी को पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पदाधिकारियों ने मारवाड़ी सम्मेलन के निवर्तमान राष्ट्रीय महामंत्री संजय हरलालका के साथ सम्मेलन को मजबूत करने, नए शाखाओं को खोलने, मौजूदा शाखाओं का आधिकारिक दौरे, मौजूदा शाखाओं में नई समिति की नियुक्ति और सम्मेलन की आगामी गतिविधियों के बारे में चर्चा की। इस बैठक में पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रादेशिक अध्यक्ष नंद किशोर अग्रवाल, महासचिव नितिन अग्रवाल और संयुक्त सचिव पवन बंसल उपस्थित रहकर चर्चा में सक्रिय रूप से भाग लिया।

तीसरी कार्यकारिणी की बैठक आयोजित

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की तीसरी कार्यकारिणी बैठक ११ फरवरी २०२३ को प्रदेश अध्यक्ष श्री नंद किशोर अग्रवाल की अध्यक्षता में होटल पवन पुत्र में आयोजित हुई। इस बैठक में 'होली मिलन समारोह' के भव्य आयोजन पर विचार-विमर्श किया गया।

प्रादेशिक समाचार : छत्तीसगढ़

संगठन विस्तार हेतु बैठक

छत्तीसगढ़ प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के सदस्यों ने संगठन विस्तार हेतु बैठक कर आगे की रणनीति पर विचार-विमर्श किया।

प्रांतीय सम्मेलन ने मनाया गणतंत्र दिवस

७५वें गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर छत्तीसगढ़ प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष पुरुषोत्तम सिंघानिया ने राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराकर इस पावन अवसर पर गणतंत्र दिवस एवं रामलला के प्राण-प्रतिष्ठा की बधाई देते हुए समाज के प्रगति की कामना की। इस अवसर पर सम्मेलन के प्रांतीय महामंत्री अमर बंसल एवं कोषाध्यक्ष सुरेश चौधरी के साथ सम्मेलन के कई सदस्य तथा समाज-बंधु उपस्थित रहे।

प्रादेशिक समाचार : दिल्ली

दिव्यांग सेवा

४ फरवरी को दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन ने माहेश्वरी सदन, राणा प्रताप कॉलोनी में दिव्यांग सेवा की। इस सेवा कार्यक्रम में प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष लक्ष्मीपत भूतोड़िया उपस्थित रहे।

भंडारा का आयोजन

२३ फरवरी को दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा ओसियाँ माता मंदिर प्रांगण में भंडारा का आयोजन किया गया। दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष लक्ष्मीपत भूतोड़िया के द्वारा विशाल भंडारे का शुभारंभ हुआ। इस दौरान सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

प्रादेशिक समाचार : केरल

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के आगमन पर सभा

केरल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा दिनांक ५ फरवरी को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मधुसूदन सीकरिया के कोचीन आगमन पर एक सभा का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता प्रादेशिक अध्यक्ष श्यामसुंदर अग्रवाल ने की। सभा के दौरान FATC के चेयरमैन तथा प्रबंध निदेशक किशोर कुमार रूँगटा के पाँच वर्षीय सफलतम कार्यकाल के लिए उनका अभिनंदन किया गया। बैठक में श्री सीकरिया ने अपने संबोधन से सम्मेलन के इतिहास एवं कार्यकलापों के विषय में विस्तारपूर्वक जानकारी दी तथा समाज के प्रत्येक परिवार से कम से कम एक व्यक्ति को सम्मेलन की सदस्यता ग्रहण करने का अनुरोध किया। साथ ही उन्होंने सभा में उपस्थित समाज-बंधुओं से भी आग्रह किया कि सम्मेलन के विषय में वे भी कोई जानकारी चाहते हैं तो बेहिचक हासिल कर सकते हैं। सभा में उपस्थित अनेक सदस्यों की जिज्ञासाओं का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने प्रत्युत्तर दिया। श्री रूँगटा ने अपने संबोधन में FATC के प्रबंध निदेशक के रूप में उन्हें मिली कामयाबी के विषय में जानकारी देते हुए बताया कि जो कंपनी काफी घाटे में चल रही थी तथा कर्मचारियों को प्रत्येक माह वेतन देने में भी असुविधा आ रही थी वह कंपनी आज मुनाफा दे रही है। कोचीन में अपने प्रवास के दौरान श्री रूंगटा ने यहाँ के समाज के साथ जो घनिष्ठता बनाए रखी उसी का परिणाम था कि हैदराबाद स्थांतरित हो रहे श्री रूँगटा का यहाँ के अपने समाज ने हार्दिक अभिनंदन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कोचिन समाज के प्रतिष्ठित समाजसेवी श्री सिंघल ने श्री रूँगटा के सम्मान में कविता का पाठ किया। प्रादेशिक अध्यक्ष श्यामसुंदर अग्रवाल ने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष को प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के कार्यकलापों से अवगत करवाया।

प्रादेशिक समाचार : झारखंड

सम्मेलन ने गणतंत्र दिवस मनाया

देश के ७५वें गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के कार्यालय में सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष बसंत मित्तल ने झंडा फहराकर राष्ट्र को नमन किया। इस अवसर पर कार्यक्रम में सम्मेलन के पदाधिकारीगण एवं समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

प्रमंडलीय अधिवेशन पर चर्चा

प्रांतीय अध्यक्ष बसंत मित्तल, महामंत्री रविशंकर शर्मा एवं कार्यालय मंत्री श्याम सुंदर शर्मा का कोल्हान प्रमंडल के तीन दिवसीय सांगठनिक दौरे के पहले दिन चाईबासा आगमन पर वरिष्ठ सदस्य पुरुषोत्तम शर्मा द्वारा पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया गया। इस बैठक में २५ फरवरी २०२४ को पश्चिमी सिंहभूम जिला मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में पहली बार राजस्थान सेवा समिति, टुंगरी, चाईबासा में होने वाले कोल्हान प्रमंडलीय अधिवेशन की रूपरेखा पर व्यापक चर्चा हुई। इस चर्चा में जिला अध्यक्ष दिलीप अग्रवाल, जिला महासचिव कमल लाठ, जिला कोषाध्यक्ष सुरेश अग्रवाल, नगर अध्यक्ष रमेश खिरवाल एवं नगर सचिव रूपेश अग्रवाल उपस्थित थे।

जादूगोड़ा सम्मेलन सदस्यों की बैठक

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के झारखंड प्रांतीय अध्यक्ष बसंत मित्तल के नेतृत्व में राज्य स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने जादूगोड़ा के मारवाड़ी सम्मेलन के सदस्यों के साथ बैठक की, जिसमें उन्होंने आगामी २५ फरवरी को चाईबासा में कोल्हान प्रमंडलीय स्तर पर आयोजित बैठक में जादूगोड़ा के सदस्यों को भी आमंत्रित किया। प्रांतीय अध्यक्ष बसंत मित्तल ने कहा कि मारवाड़ी समाज के लोगों को राजनीतिक क्षेत्र में आगे आने की आवश्यकता है। संगठन के मजबूती को लेकर नए सदस्यों को जोड़ने पर भी उन्होंने जोर दिया। समाज में फैल रहे कुरीतियों को दूर करने को लेकर विचार-विमर्श हुआ, जिसमें मृत्यु भोज, खर्चीली शादी, प्री-वेडिंग फोटोग्राफी आदि पर रोक लगाकर समाज को आगे बढ़ाने की बात कही। आगे श्री मित्तल ने कहा कि समाज के युवाओं को शिक्षा के क्षेत्र में भी बेहतर प्रयास कर आगे बढ़ाने की जरूरत है। प्रांत से आए हुए सदस्यों में प्रांतीय अध्यक्ष बसंत मित्तल, उपाध्यक्ष ओम प्रकाश रिंगसिया, महामंत्री रवि शंकर शर्मा, सांवरमल शर्मा, श्याम सुंदर शर्मा शामिल थे। इस अवसर पर जादूगोड़ा के वरिष्ठ सदस्य जयनारायण गुप्ता, शाखा अध्यक्ष अनिल कुमार अग्रवाल, सचिव सुशील कुमार अग्रवाल, प्रांतीय सह-सचिव सुशील अग्रवाल, सज्जन खेमका, योगेश अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

उपलब्धियाँ

सम्मेलन के त्रिवेणीगंज शाखा की आजीवन सदस्य बबीता शर्मा-अशोक शर्मा की लाडली अनिका शर्मा, जिसने २६ जनवरी २०२४ को दिल्ली में आयोजित गणतंत्र दिवस की परेड में बिहार का प्रतिनिधित्व किया। हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ!

बेंगलुरु में जिंदल नेचर क्योर इंस्टीट्यूट के माध्यम से प्राकृतिक चिकित्सा को बढ़ावा दे रहे सुप्रसिद्ध अनुभवी उद्योगपति और परोपकारी **सीताराम जिंदल** को पद्म भूषण-२०२४ सम्मान के लिए चयनित किया गया है। हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ!

सादगी की प्रतिमूर्ति प्राकृत के महान विद्वान **प्रोफेसर डॉ. राजा राम जैन**, पूर्व विभागाध्यक्ष, संस्कृत और प्राकृत विभाग, हर प्रसाद दास जैन महाविद्यालय, आरा (बिहार) को पद्म श्री सम्मान के लिए चयनित किया गया है। हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ!

रेलवे में बदलाव के पीछे के व्यक्तित्व, रेलवे बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष और सीईओ अनिल कुमार लाहोटी को भारत सरकार द्वारा ट्राई का चेयरमैन नियुक्त किया गया है। हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ!

सम्मेलन के विशिष्ट संरक्षक सदस्य रोहित मोरे को मदर टेरेसा अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार समिति ने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए मदर टेरेसा लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया है। यह पुरस्कार भारत और विदेश में उन व्यक्तियों को दिया जाता है जिन्होंने अपने जीवन के दौरान व्यावहारिक रूप से अपनी क्षमता से सबसे गरीब लोगों और मानव जाति की सेवा की है। हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ!

प्रादेशिक कार्यालय के आग्रह पर अयोध्या में श्री रामलला के प्राण-प्रतिष्ठा के अवसर पर 'दीपोत्सव' कार्यक्रम में मारवाड़ी सम्मेलन महिला परिधि बेंगलुरु शाखा की अध्यक्ष माया अग्रवाल को दीपोत्सव के लिए 'सर्वश्रेष्ठ' चुना गया है। माया जी व उनके परिवार एवं महिला परिधि की सभी सदस्यों को हार्दिक बधाई!

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

विशिष्ट संरक्षक सदस्य

श्री गिरिराज ककरानिया
मे. ककरानिया सोल्युशन
ए. टी. रोड, ओवर ब्रीज के पास
गुवाहाटी-७८१००१, असम
मो : ९४३५०१८६११

श्री बृज खंडेलवाल
मे. इलेक्ट्रो पॉलीकेम लिमिटेड
इलेक्ट्रो हाउस, २३, रामनाथन
स्ट्रीट, किल्पॉक,
चेन्नई-६०००१०, तमिलनाडु
मो : ९८४००२२२२१

श्री अनिल कुमार बंसल
मे. रिजन एग्री प्रा. लि.
१६, शर्मा कॉम्पलेक्स, प्रथम तल
पंपा एक्सटेंशन, हेवल केंपापूरा
बेंगलुरु-५६००२४, कर्नाटक
मो : ९९३७०३८०४४

श्री विष्णु अग्रवाल
मे. एस्ट्रिक इंफोटेक इंडिया प्रा. लि.
२३, सी. आर. एवेन्यू,
कोलकाता - ७०००७२
मो : ९३३०३२२२५५

श्री शरत कुमार जैन
मे. एस. एम. कॉर्पोरेशन लिमिटेड
अनिल प्लाजा, तृतीय तल,
जी. एस. रोड,
गुवाहाटी-७८१००५, असम
मो : ९७०६०४८००८

श्री अरविंद गुप्ता
मे. ओ. पी. जी. पावर जेनरेशन
प्रा. लि.
६, सरदार पटेल रोड, गुइंडी
चेन्नई - ६०००३२, तमिलनाडु
मो : ९८४००९६२९९

श्री मुकेश अग्रवाल
मे. सूर्यदेव एलॉयज एंड पावर प्रा. लि.
४९७ एंड ४९८ पूनामाटी हाई
रोड, ८ तल, ईसाना बिल्डिंग,
अरामबक्कम, चेन्नई-६००१०६
तमिलनाडु
मो : ९८४००९७२६५

श्री बिनोद गर्ग
मे. पुलकित मेटल्स प्रा. लिमिटेड
१६३/१, के. संस कंपलेक्स
प्रकाशम सलाई, ब्रोडवे
चेन्नई-६००१०८, तमिलनाडु
मो : ९५०००७६९६९

श्री राजेंद्र कुमार जालान
नं.-९९, हैरिंगटन कोर्ट
१५, एवेन्यू, हैरिंगटन रोड
चेटपेट, चेन्नई - ६०००३१,
तमिलनाडु
मो : ९९६२०८१०१०

श्री अभिषेक मोदी
मे. एम. ओ. डी. फोर्ज प्रा. लि.
१०३, सिडको अलेमा टावर्स
नं-१, फर्स्ट मेन रोड
अम्बाटुर इंडस्ट्रीयल एस्टेट
चेन्नई-६०००५८, तमिलनाडु
मो : ९८४१०४६००६

श्री बसंत सेठिया
मे. एच. एच. पी हॉस्पिटल प्रा. लि.
३०, चौरंगी रोड,
कोलकाता-७०००१६
मो : ९८३१२९०४०४

श्री बिजय कुमार चौधरी
मे. चौधरी फाउंडेशन
रेयर अर्थ, ९३, नारकेलडांगा
मेन रोड, फ्लाट नं.-१७वी
टावर-४, कोलकाता-७०००५४
मो : ९३३९७७९७७१

श्री बिष्णु कुमार डीडवानियाँ
मे. मार्केटिंग इंटरप्राइजेज
दुग्गड़ बिल्डिंग, कामरूप चेंबर
रोड, फैंसी बाजार
गुवाहाटी-७८१००१, असम
मो : ९४३५०४८३०८

श्री अमित कुमार केडिया
मे. पंचमुखी ऐक्सिम
मे. सेवेन हील्स मिनरेल्स प्रा. लि.
रेयर अर्थ, टावर-४, फ्लॉट
-५वी, ९३, मौलाना अब्दुल
कलाम आजाद सरणी,
कोलकाता-७०००५४
मो : ९८३१०१८५७०

श्री बिनोद कुमार अगरवाला
मे. माई स्टील एंड पावर लि.
माई रोड,
पो.-चिरकुंडा- ८२८२०२
धनबाद, झारखंड
मो : ९९३३०८७१११

श्री महाबीर प्रसाद रूँगटा
मे. रामगड़ स्पंज आयरन प्रा. लि.
आदर्श कॉलोनी, अशोक सिनेमा
के पीछे, राँची रोड, पो. मरार
रामगढ़-८२९११७, झारखंड
मो : ९८११०६७८९६

श्री राहुल गद्यान
मे. अरूण रिफ्रेक्ट्रीज
पो. चिरकुंडा-८२८२०२
धनबाद, झारखंड
मो : ६२०३६५०४६६

श्री कैलाश चंद्र लोहिया
लोहिया हाउस, फैंसी बाजार,
एम. जी. रोड,
गुवाहाटी-७८१००१, असम
मो : ६०००८१२००

श्रीमती माया अग्रवाल
मे. गजेंद्र कुमार अग्रवाल 'गरिमा'
२९, जक्कासंद्रा ब्लॉक, ८ मेईन
५ क्रॉस, कोरामंगला,
बेंगलुरू-५६००३४, कर्नाटक
मो : ९८८६१२९००५

श्री राजेंद्र कुमार झुनझुनवाला
मे. जे. जे. इलेक्ट्रोटेक प्रा. लि.
२१२, आकाशदीप प्लाजा,
गोलमुरी, जमशेदपुर-८३१००३
पूर्वी सिंहभूम, झारखंड
मो : ८००२२५९६६७

श्री अशोक कुमार धानुका
मे. होटल मिलेनियम
सती जयमति रोड, अठगाँव
गुवाहाटी-७८१००१, असम
मो : ९८६४१४५०००

Apollo
TOUCHING LIVES

Certificate No. : M-0342
NABL Accredited

Apollo Clinic
Expertise. Closer to you.

P-72, Prince Anwar Shah Road, Opp. South City Mall, Kolkata-700 045
Tel. : 4021-2525-55, E-mail : pashahroad@theapolloclinic.com

SERVICES AT A GLANCE

- **Laboratory Services - Advanced Automatic Equipments**
- **Radiology**
  - MRI / CT / Scan | - Digital X-Ray
  - Ultrasonography | - Colour Doppler Study
- **Cardiology**
  - ECG | - Echo-Cardiography
  - Echo-Colour Doppler | - Holter Monitoring
  - Treadmill Test (TMT)
- **Wide Range of Pathology**
- **Pulmonary Function Test**
- **UGI Endoscopy / Colonoscopy**
- **Physiotherapy**
- **EEC / EMG / NCV**
- **General & Cosmetic Dentistry**
- **Elder Care Service**
- **Sleep Study (PSG)**
- **EYE / ENT Care Clinic**
- **Gynae and Obstetric Care Clinic**
- **Haematolgy Clinic**
- **Personalised Care (Injection, Dressing, ECG etc.) at your doorstep**
- **Health Check-up Packages**
- **Online Reporting**
- **Report Delivery**

Home Blood Collection

(033) 4021-2525, 97481-22475

98301 96659

Consultation I Diagnostics I Dentistry I Health Checks

Yours Tastefully
Anmol
TM
Enjoy Great Taste with Good Health
Anmol
FruitBix
Anmol
dream LITE
Anmol
Marie Plus
With Best Compliments from:
Anmol Industries Ltd.
BISCUITS, CAKES & COOKIES
BISCUITS
For your comments, complaints and trade related queries write to us at info@anmolindustries.com
or call us at 1800 1037 211 | www.anmolindustries.com | Follow us on:

राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारियों का दौरा

राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी, निवर्तमान राष्ट्रीय महामंत्री संजय हरलालका, प्रांतीय अध्यक्ष उत्कल डॉ. गोविंद अग्रवाल, छत्तीसगढ़ प्रांतीय अध्यक्ष पुरुषोत्तम सिंघानिया, महामंत्री अमर बंसल, कोषाध्यक्ष सुरेश चौधरी ने नई शाखाओं का दौरा कर गठन किया।

रायपुर शाखा का गठन

९ फरवरी २०२४ को राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारियों की गरिमामय उपस्थिति में सर्व सम्मति से संजय शर्मा को रायपुर शाखाध्यक्ष व प्रवीण सिंघानिया को शाखा महामंत्री एवं अशोक जैन को शाखा कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया। इस सभा में सम्मेलन के ८ नए आजीवन सदस्य बने।

सक्ती शाखा का गठन

१० फरवरी २०२४ को राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारिया की गरिमामय उपस्थिति में सर्व सम्मति से हरिओम अग्रवाल को 'शक्ति' शाखाध्यक्ष व राकेश अग्रवाल को शाखा महामंत्री मनोनीत किया गया। इस सभा में २५ आजीवन सदस्यों ने सम्मेलन की सदस्यता ग्रहण की और बड़ी संख्या में समाज-बंधु उपस्थित रहे।

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

विशिष्ट संरक्षक सदस्य

श्री बिनय कुमार सिंघानिया
मे. बी. के. एस. एंड कंपनी
डायमंड हेरिटेज,
१६, स्ट्रांड रोड, यूनिट-५१९
कोलकाता - ७००००१
मो : ९४३३०६८७९०

श्री सुरेश कुमार सिंघी
मे. कोरोमंडल मेटाल ट्रेडर्स
२७ए, शंभु दास स्ट्रीट,
ब्रोडवे पैरिज,
चेन्नई-६००००१, तमिलनाडु,
मो : ९८४००४९९८७

श्री आलोक झुनझुनवाला
मे. ॲपस अरोमाज प्रा. लि.
प्रफुल्ल अपार्टमेंट, भूतल
६९, सोमनाथ लाहिड़ी सरणी
कोलकाता - ७०००५३
मो : ९८१०२१०४८४

श्री दिलीप कुमार चौधरी
मे. अनमोल इंडस्ट्रीज प्रा. लि.
२२९, ए.जे.सी. बोस रोड,
६वां तल, कोलकाता-७०००२०
मो : ९८३०४९४७९९

श्री पवन कुमार पाटोदिया
मे. कोलकाता स्पोर्टस वेंचर्स
एच. एम. पी. हाउस
४, फेयरली प्लेस, ५वां तल
कोलकाता-७००००१
मो : ९८३००३६०००

श्री पवन कुमार जाजू
मे. केयरवेल ट्रेवेल्स एंड टूर प्रा. लि.
पी-२३/२४, राधा बजार स्ट्रीट,
५वाँ तल, सेठिया हाउस
कोलकाता-७००००१
मो : ९३३९५४४४४५

श्री सूर्यकांत डालमिया
मे. माउंट इंट्रा फाइनेंस प्राइवेट
आइडियल प्लाजा, सुइट नं.-
एस४०१, ४था तल,
११/१, शरत बोस रोड
कोलकाता-७०००२०
मो : ९८३१४६३०००

श्री संतोष कुमार सरावगी
मे. स्वास्तिक साप्लाई कं.
२६, रणधीर प्रसाद स्ट्रीट
अपर बाजार, राँची-८३४००१
झारखंड
मो : ९२०४८५०००४

श्री शिव कुमार लोहिया
१७१/१, जे. एन. मुखर्जी रोड
हावड़ा - ७१११०६,
पश्चिम बंग
मो : ९८३०५५३४५६

श्री संजय कुमार जैन
मे. टी. टी. लिमिटेड
१०, पलॉक स्ट्रीट,
२रा तल
कोलकाता-७००००१
मो : ९८३१००७५५०

श्री केदार नाथ गुप्ता, सीए.
मे. के. एन. गुप्ता एंड एसोसिएट्स
३७ए, बेंटिक स्ट्रीट, ४था तल
रूम नं.-४१४,
कोलकाता-७०००६९
मो : ९८३०६४८०५६

श्री कैलाश पति तोदी
मे. के. पी. तोदी एंड कंपनी
१६, किशनलाल बर्मन रोड
बाँधाघाट, सलकिया
हावड़ा-७१११०६, प. ब.
मो : ९८३००४४०७९

श्री रोहित मोरे
मे. मोरे इंडिया
१८७, बांगुर एवेन्यू
ब्लॉक-बी,
कोलकाता-७०००५५
मो : ९८७४०७७१३५

श्री आशुतोष अग्रवाल
मे. इलेक्ट्रोस्टील कास्टिंग्स लि.
१९, कैमक स्ट्रीट
कोलकाता-७०००१७
मो : ९८३००४६३९१

श्री बाबू लाल बंका
मे. बंका इंटरप्राइजेज
२, लाल बाजार स्ट्रीट
रूम नं.-१०७
कोलकाता-७०००००१
मो : ९८३००२९५६७

शाखा समाचार

गुवाहाटी, पूर्वोत्तर

देशभक्ति गीतों ने किया जन-जागरण

७५वें गणतंत्र दिवस की पावन बेला पर गुवाहाटी के चाबीपुल क्षेत्र में स्थित सरकारी एल पी स्कूल के खेल प्रागण में तिरंगे से सुसज्जित पण्डाल एवं आकर्षक मंच व्यवस्था के साथ गुवाहाटी में कार्यरत मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी शाखा, मारवाड़ी सम्मेलन कामरूप शाखा, मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी महिला शाखा तथा मारवाड़ी एकता मंच के संयुक्त तत्वावधान में गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री मधुसूदन सीकरिया, प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश चंद काबरा एवं अन्य वरिष्ठ-जनों ने राष्ट्रीय ध्वज को फहराकर, झंडे को सलामी दी। सामुहिक राष्ट्रगान के पश्चात स्कूल के बच्चों ने देश भक्ति कविताओं का पाठ किया। उपस्थिति सभी बंधुओं का तिरंगा दुपट्टा पहनाकर स्वागत अभिनंदन किया गया। मारवाड़ी एकता मंच की अध्यक्ष सरोज मित्तल, मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा अध्यक्ष संतोष शर्मा, मारवाड़ी सम्मेलन कामरूप शाखा अध्यक्ष दिनेश गुप्ता, मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी शाखा अध्यक्ष शंकर बिड़ला ने अध्यक्षीय उद्बोधन में गणतंत्र दिवस की शुभेच्छाएँ दीं। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मधुसूदन सीकरिया एवं प्रांतीय पदाधिकारियों में प्रांतीय संयोजक प्रदीप भुवालका, मंडलीय सहायक मंत्री माखनलाल अग्रवाल, प्रांतीय संयुक्त मंत्री पंकज पोद्दार, मनोज काला, प्रांतीय उपाध्यक्ष मुख्यालय रमेश कुमार चांडक, प्रांतीय अध्यक्ष श्री काबरा ने सभा को संबोधित करते हुए शुभेच्छाएँ दीं। देशभक्ति गीतों से सांस्कृतिक कार्यक्रम का आगाज हुआ। सरोज मित्तल, शंकर बिड़ला, कामरूप शाखा के संस्थापक अध्यक्ष संपत मिश्र, मंजू लता शर्मा, गायक कलाकार संतोष शर्मा, यश बोथरा, सुप्रसिद्ध गायक कलाकार जनरैल सिंह आदि ने देशभक्ति गीतों से सभी को झूमने पर मजबूर कर दिया। कामरूप शाखा के मंत्री संजय खेतान ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

मारवाड़ी भाई-बेहना सू निवेदन

आपा आपणो देश मारवाड़ (राजस्थान) तो छोड़ दिया हाँ, काईं आपणी मारवाड़ी, आपणी मातृभाषा ने भी छोड़ देनो, खत्म कर देनो चावां हाँ। आपणा में अधिकतर माता-पिता आपणा बच्चा (टाबरा) सू हिंदी, इंग्लिश में बात करा हाँ और गर्व महसूस करा हाँ, आज हर सिंधी रा बच्चा सिंधी बोले है, मराठी का मराठी, अटातांई के अरबपति अंबानी का बच्चा भी गुजराती में ही बात करे है, परंतु आज री जेनरेशन मारवाड़ी बच्चा ने तो मारवाड़ी आवे ही नहीं है, काई आपण मारवाड़ी बोलना में शर्म आवे है। इन बच्चा का हक है मारवाड़ी बोलनो और मारवाड़ी सीखनो तो कृपया कर गर्व सू मारवाड़ी में बात करो, कम से कम मां-पिता जी, भाई-भोजाई, चाचा-चाची जी, सगला घर का सू कोई एक तो बात शुरू करो।

आपणी मारवाड़ी भाषा ने विलुप्त होना सू बचाओ!

शाखा समाचार

दुमका, झारखंड

ग्रामीणों में कंबल एवं सत्तू का वितरण

दुमका जिला मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा प्रचंड शीतलहरी में सुदूर ग्रामीण कैराबानी पहाड़िया अंचल जो जंगल से घिरा हुआ है, में ग्रामीणों के बीच कंबल एवं सत्तू तथा बच्चों के बीच बिस्कुट का वितरण किया गया। सम्मेलन के सदस्यों ने यह कार्य दिलीप भुवानियां के नेतृत्व में किया। बिनोद सिंघानिया एवं राज कुमार मोदी द्वारा सम्मेलन को ४०-४० कुल ८० कंबल प्रदान किया गया तथा सत्तू का १०० पैकेट अरुण मोहनका द्वारा वितरण हेतु दिया गया था।

इस आयोजन में हरि शंकर मोदी, आशीष अग्रवाल, प्रदीप दारूका, अनिरुद्ध दारूका, सुदीप अग्रवाल, लोकेश दारूका, रंजीत सिंघानियां, ललित अग्रवाल, आनंद मोदी, मुकेश सिंघानियां, प्रकाश अग्रवाल एवं राजेंद्र मेहरिया की उपस्थिति मुख्य रूप से रही।

दुमका, झारखंड

दुमका सम्मेलन में मना गणतंत्र दिवस

दुमका जिला मारवाड़ी सम्मेलन के माननीय सदस्यों की उपस्थिति में जिला अध्यक्ष कैलाश प्रसाद वर्मा के द्वारा राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर झंडा फहराकर राष्ट्रीय गान के साथ झंडे को सलामी दी गई।

संबलपुर, उत्कल

सीमित शुल्क में नैदानिक परीक्षण

२६, २७ और २८ जनवरी को सुबह ७ बजे से सुबह ११ बजे तक Thyrocare कंपनी और उत्कल प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन, संबलपुर शाखा के संयुक्त तत्वावधान में वेलनेस लैब्रोटरीज, बड़ाबाजार, साहेब बंगला, नर्सिंग मंदिर के सामने Liver Function Test, Lipid (Heart) profile, Kidney Profile, Thyroid Profile, Blood Test, जिसका बाजार मूल्य लगभग 2000/- रुपये के आस-पास होता है। ये सभी नैदानिक परीक्षण सीमित शुल्क 350/- रुपये में किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन संबलपुर शाखाध्यक्ष संतोष अग्रवाल एवं महामंत्री महेश झाझरिया के नेतृत्व में हुआ था।

आलेख

पारिवारिक संविधान : एक विचार

– डॉ. दिनेश कुमार जैन
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, अ.भा.मा.स.

गत माह हमने अत्यंय उत्साहपूर्वक भारतीय लोकतंत्र के महापर्व गणतंत्र दिवस का अनुपालन किया। यह राष्ट्रीय पर्व हम अपने संविधान की स्थापना के उपलक्ष्य में मनाते हैं। संविधान वस्तुत: एक नियमावली है जो यह बताती है कि हमारी व्यवस्था कैसे कार्य करेगी और महत्वपूर्ण विषयों (यथा चुनाव प्रणाली, सरकार का गठन और निलंबन, सरकार के अंगों की शक्तियों का दायरा, नागरिकों के अधिकारों की रक्षा आदि) पर हमारा मार्गदर्शन करती है। किसी भी सभ्य समाज के लिए संविधान अनिवार्य है।

संविधान के विषय पर विचार करने पर इसका एक और पहलू जो मुझे अत्यंत महत्वपूर्ण लगता है, वह है 'पारिवारिक संविधान'। परिवार हमारे समाज की संरचना का आधार है। अत: परिवार के परिचालन में भी नियमों एवं सूझबूझ की अपनी महता है और संयुक्त परिवारों के लिए तो यह अनिवार्य है।

वित्त (फाइनेंस) के क्षेत्र में लंबे समय से कार्यरत होने के कारण, एक परिवार के दृष्टिकोण से प्रमुखत: वित्तीय एवं आर्थिक बिंदुओं को सामने लाना चाहूँगा। परिवार के हर सदस्य को वित्तीय रूप से साक्षर करना हमारा प्राथमिक लक्ष्य होना चाहिए। वयस्क ही नहीं, बल्कि बालक-बालिका, तरूण-तरूणी सभी को अपने परिवार की आर्थिक स्थिति की समझ हो और साथ-साथ सामान्य वित्तीय ज्ञान भी हो, यह आवश्यक है। परिवार की आय के क्या स्रोत हैं, सामान्यत: हमारे खर्च क्या हैं, आमतौर पर हम कितना बचत कर लेते हैं, बचत का निवेश कैसे करते हैं, इन रूटीन बातों के प्रति परिवार के प्रत्येक सदस्य को जागरूक रहना/करना चाहिए। इसके अगले कदम के रूप में मध्यावधि लक्ष्यों (मिडटर्म गोल्स) में बच्चों की शिक्षा, विवाह एवं इन जैसी पारिवारिक आवश्यकताओं तथा दीर्घावधि लक्ष्यों (लांगटर्म गोल्स) जैसे मकान/अन्य संपत्तियों, आदि को ले सकते हैं। मध्यावधि एवं दीर्घावधि लक्ष्यों के लिए योजनाबद्ध रूप से कार्य करने की आवश्यकता होगी। परिवार के वित्तीय नियोजन में हमें आपातकालीन स्थितियों के लिए भी प्रावधान रखना चाहिए। साथ ही, परिवार के सदस्यों का जीवन बीमा या कम से कम मेडिकल बीमे का प्रबंध अवश्य होना चाहिए। कभी-कभी विशेष परिस्थितियों में हमें ऋण लेना पड़ सकता है, लेकिन प्रयास यह रहना चाहिए कि ऋण लेने की स्थिति न आए और अगर लेना भी पड़े तो कम से कम। इन विषयों पर विचार कर, आवश्यक नियमों और प्रक्रियाओं को समाहित करते हुए, हमें अपने पारिवारिक संविधान को लिपिबद्ध कर लेना चाहिए। समय-समय पर (उदाहरण के लिए साल में एक बार) इसकी समीक्षा और आवश्यकतानुसार संशोधन भी करना चाहिए।

हमारे मारवाड़ी समाज में पारिवारिक व्यवसायों की परंपरा रही है। पारिवारिक व्यवसायों के संचालन में भी हमें कुछ नियमों का पालन करना आवश्यक है। इसके लिए लिखित संविधान का प्रावधान है और अनेक पारिवारिक व्यवसायों ने अपने संविधान बना रखे हैं। यह संविधान एक दस्तावेज है जिसे परिवार के सदस्यों द्वारा उनके पारिवारिक मूल्यों और विश्वास-प्रणाली के आधार पर तैयार किया जाता है तथा इसमें उनके पारिवारिक व्यवसाय के कामकाज और प्रक्रियाओं को लिपिबद्ध रूप से संकलित किया जाता है। पारिवारिक व्यवसाय संविधान की कुछ विशिष्टताएँ निम्नवत हैं:

१. यह कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं होता, तथापि वर्तमान और भावी पीढ़ियों के लिए पारिवारिक मूल्यों, दर्शन, इतिहास और लक्ष्य को रेखांकित करने वाला एक अत्यंत सार्थक दस्तावेज है। पारिवारिक व्यवसाय की संरचना, प्रबंधन, आंतरिक सामंजस्य, विवादों के समाधान, आदि की यह एक स्थायी तस्वीर प्रस्तुत करता है और एक मार्गदर्शक की भूमिका निभाता है।

२. परिवार के सदस्यों द्वारा भत्ते और निकासी, खर्चों का बजट, प्रबंधन में सक्रिय और निष्क्रिय दोनों प्रकार के सदस्यों के लाभों, आदि के बारे में स्थायी दिशानिर्देश बनाने में मदद करता है जिससे परिवार के भीतर संभावित संघर्ष से बचने में मदद मिलती है। पारिवारिक व्यावसायिक संविधान से प्रत्येक सदस्य की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को सुव्यवस्थित किया जाता है।

३. एक साथ काम करने के लिए एक स्थिर ढाँचा और दिशानिर्देश प्रदान करके यह संविधान निश्चित रूप से अधिक समझ और अनुकूलता लाता है और परिवार के सदस्यों के बीच आंतरिक सामंजस्य बनाता है। परिणामस्वरूप पारिवारिक व्यवसाय कुशलतापूर्वक प्रबंधित और ज्यादा लाभकारी होता है।

४. जो पारिवारिक व्यवसाय अधिक पेशेवर बनना चाहते हैं और व्यावसायिक स्तर पर अपनी पहचान बनाना चाहते हैं, उनके लिए एक पेशेवर संरचना के निर्माण, उपयुक्त बोर्ड एवं परिवार परिषद के गठन, स्पष्ट एवं परिभाषित रोजगार, नीतिनिर्माण, उत्तराधिकार योजना, आदि के निर्धारण में यह संविधान मददगार होता है।

५. एक पारिवारिक व्यवसाय के शासकीय प्रभाग में लोग आते-जाते रहते हैं। यह संविधान ऐसे लोगों को दिशानिर्देश देने की भूमिका निभा सकता है जो लोग जा रहे हैं उन्हें यह बताने में कि उनके पास अभी भी कौन से लाभ और शक्तियाँ रहेंगी और जो लोग प्रवेश कर रहे हैं उन्हें पारिवारिक मूल्यों, नैतिकता और विश्वास के साथ-साथ व्यवसाय के संचालन से संबंधित नीतियों तथा संरचना को समझने में इस संविधान से मदद मिलती है।

मुझे स्मरण है कि २०१९ की शुरुआत में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के तत्वावधान में हमने **'पारिवारिक व्यवसाय – बदलते परिदृश्य में अस्तित्व-संरक्षण एवं विकास'** विषयक संगोष्ठी आयोजित की थी, जिसे अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वक्ता-लेखक एवं पारिवारिक व्यवसाय-विशेषज्ञ **श्री राजेश जैन** एवं रूपा एंड कंपनी के प्रबंध निदेशक **श्री कुंज बिहारी अगरवाला** ने संबोधित किया था। इन विद्वानों ने कहा था कि पारिवारिक व्यवसाय सबसे बड़े रोजगारदाता हैं और उद्यमिता (आंत्रप्रोन्यूरशिप) के मूल में हैं। पारिवारिक व्यवसायों में सभी की भूमिका को स्पष्ट रखना और प्रत्येक व्यक्ति को उपयुक्त उत्तरदायित्व देने को उन्होंने पारिवारिक व्यवसाय की सफलता के लिए आवश्यक बताया था।

इस संक्षिप्त आलेख में मैंने आर्थिक दृष्टिकोण से पारिवारिक संविधान और पारिवारिक व्यवसाय संविधान के कुछ बिंदु आपके समक्ष प्रस्तुत किए। **हमें जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में कतिपय नियमों का पालन करना पड़ता है, चाहे आप इसे संविधान कहें, नियमावली कहें, संस्कार कहें या अन्य कोई संज्ञा दें। निष्कर्ष में हम यह कह सकते हैं कि नियम, सीमाएँ और लक्ष्मण रेखाएँ निर्विकल्प हैं और इनके बिना मनुष्य के सुख-शांतिपूर्ण, सह-अस्तित्व एवं एक सभ्य समाज की कल्पना नहीं की जा सकती है।**

वैज्ञानिकों ने बताया कितना दिलचस्प है हमारा शरीर

१. **जबरदस्त फेफड़े :** हमारे फेफड़े हर दिन २० लाख लीटर हवा को फिल्टर करते हैं। हमें इस बात की भनक भी नहीं लगती। फेफड़ों को अगर खींचा जाए तो यह टेनिस कोर्ट के एक हिस्से को ढंक देंगे।

२. **ऐसी और कोई फैक्ट्री नहीं :** हमारा शरीर हर सेकंड २.५ करोड़ नई कोशिकाएँ बनाता है। साथ ही हर दिन २०० अरब से ज्यादा रक्त कोशिकाओं का निर्माण करता है। हर वक्त शरीर में २५०० अरब रक्त कोशिकाएँ मौजूद होती हैं। एक बूँद खून में २५ करोड़ कोशिकाएँ होती हैं।

३. **लाखों किलोमीटर की यात्रा :** इनसान का खून हर दिन शरीर में १,९२,००० किलोमीटर का सफर करता है। हमारे शरीर में औसतन ५.६ लीटर खून होता है जो हर २० सेकेंड में एक बार पूरे शरीर में चक्कर काट लेता है।

४. **धड़कन :** एक स्वस्थ इनसान का हृदय हर दिन १,००,००० बार धड़कता है। साल भर में यह ३ करोड़ से ज्यादा बार धड़क चुका होता है। दिल का पंपिंग प्रेशर इतना तेज होता है कि वह खून को ३० फुट ऊपर उछाल सकता है।

५. **सारे कैमरे और दूरबीनें फेल :** इनसान की आँख एक करोड़ रंगों में बारीक से बारीक अंतर पहचान सकती है। फिलहाल दुनिया में ऐसी कोई मशीन नहीं है जो इसका मुकाबला कर सके।

६. **नाक में एंयर कंडीशनर :** हमारी नाक में प्राकृतिक एयर कंडीशनर होता है। यह गर्म हवा को ठंडा और ठंडी हवा को गर्म कर फेफड़ों तक पहुँचाता है।

७. **४०० किमी प्रतिघंटा की रफ्तार :** तंत्रिका तंत्र ४०० किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से शरीर के बाकी हिस्सों तक जरूरी निर्देश पहुँचाता है। इनसानी मस्तिष्क में १०० अरब से ज्यादा तंत्रिका कोशिकाएँ होती हैं।

८. **जबरदस्त मिश्रण :** शरीर में ७० फीसदी पानी होता है। इसके अलावा बड़ी मात्रा में कार्बन, जिंक कोबाल्ट, कैल्शियम, मैग्रीशियम, फॉस्फेट, निकिल और सिलिकॉन होता है।

९. **बेजोड़ छींक :** छींकते समय बाहर निकलने वाली हवा की रफ्तार १६६ से ३०० किलोमीटर प्रतिघंटा हो सकती है। आँखें खोलकर छींक मारना नामुमकिन है।

१०. **बैक्टीरिया का गोदाम :** इनसान के वजन का १० फीसदी हिस्सा, शरीर में मौजूद बैक्टीरिया की बजह से होता है। एक वर्ग इंच त्वचा में ३.२ करोड़ बैक्टीरिया होते हैं।

११. **ईएनटी की विचित्र दुनिया :** आँखें बचपन में ही पूरी तरह विकसित हो जाती हैं। बाद में उनमें कोई विकास नहीं होता। वहीं नाक और कान पूरी जिंदगी विकसित होते रहते हैं। कान लाखों आवाजों में अंतर पहचान सकते हैं। कान १,००० से ५०,००० हर्ट्ज के बीच की ध्वनि तरंगे सुनते हैं।

१२. **दाँत संभाल के :** इनसान के दाँत चट्टान की तरह मजबूत होते हैं। लेकिन, शरीर के दूसरे हिस्से अपनी मरम्मत खुद कर लेते हैं, वहीं दाँत बीमार होने पर खुद को दुरुस्त नहीं कर पाते।

१३. **मुँह में नमी :** इनसान के मुँह में हर दिन १.७ लीटर लार बनती है। लार खाने को पचाने के साथ ही जीभ में मौजूद १०,००० से ज्यादा स्वाद ग्रंथियों को नम बनाए रखती है।

१४. **झपकती पलकें :** वैज्ञानिकों को लगता है कि पलकें आँखों से पसीना बाहर निकालने और उनमें नमी बनाए रखने के लिए झपकती है। महिलाएँ पुरुषों की तुलना में दोगुनी बार पलकें झपकाती हैं।

१५. **नाखून भी कमाल के :** अंगूठे का नाखून सबसे धीमी रफ्तार से बढ़ते हैं। वहीं मध्यमा या मिडिल फिंगर का नाखून सबसे तेजी से बढ़ता है।

१६. **तेज रफ्तार दाढ़ी :** पुरुषों में दाढ़ी के बाल सबसे तेजी से बढ़ते हैं। अगर कोई शख्स पूरी जिंदगी शेविंग न करे तो दाढ़ी ३० फुट लंबी हो सकती है।

१७. **खाने का अंबार :** एक इनसान आम तौर पर जिंदगी के पाँच साल खाना खाने में गुजार देता है। हम ताउम्र अपने वजन से ७,००० गुना ज्यादा भोजन खा चुके होते हैं।

१८. **बाल गिरने से परेशान :** एक स्वस्थ इनसान के सिर से हर दिन ८० बाल झड़ते हैं।

१९. **सपनों की दुनिया :** इनसान दुनिया में आने से पहले ही यानी माँ के गर्भ में ही सपने देखना शुरू कर देता है। बच्चे का विकास वसंत में तेजी से होता है।

२०. **नींद का महत्व :** नींद के दौरान इनसान की ऊर्जा जलती है। दिमाग अहम सूचनाओं को स्टोर करता है। शरीर को आराम मिलता है और रिपेयरिंग का काम भी होता है। नींद के ही दौरान शारीरिक विकास के लिए जिम्मेदार हार्मोन्स निकलते हैं।

इस अनमोल विरासत का ध्यान रखें, अच्छा स्वास्थ्य ही परम धन है। ईश्वर का दिया हुआ यह हमारा शरीर हमारी अमूल्य धरोहर है, इसका विशेष ख्याल रखें। उचित खान-पान, नियमित प्राणायाम करें व्यसन से दूर रहे निरोगी जीवन जिये।

नोट : यह इंटरनेट से प्राप्त सूचना के आधार पर प्रकाशित किया गया है। इसके प्रामाणिकता का भार पाठकवृंद पर है।

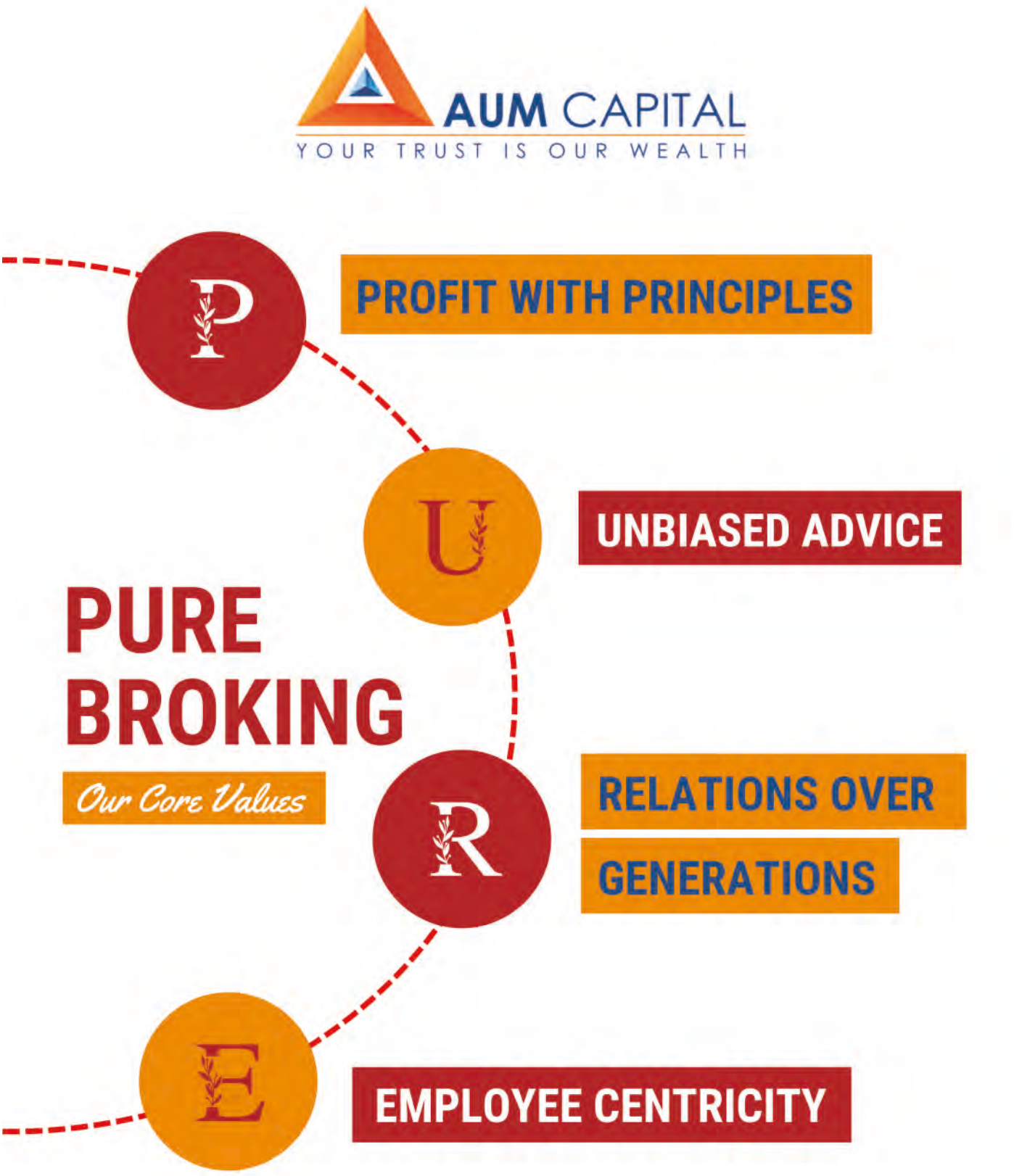

AUM CAPITAL

YOUR TRUST IS OUR WEALTH

PROFIT WITH PRINCIPLES

UNBIASED ADVICE

PURE BROKING

Our Core Values

RELATIONS OVER GENERATIONS

EMPLOYEE CENTRICITY

New Delhi I Mumbai I **Kolkata** I Pune I Ranchi I Bangalore I Chennai

www.aumcap.com

FOR FURTHER QUERIES REACH US AT

aumcares@aumcap.com

/ AumCap

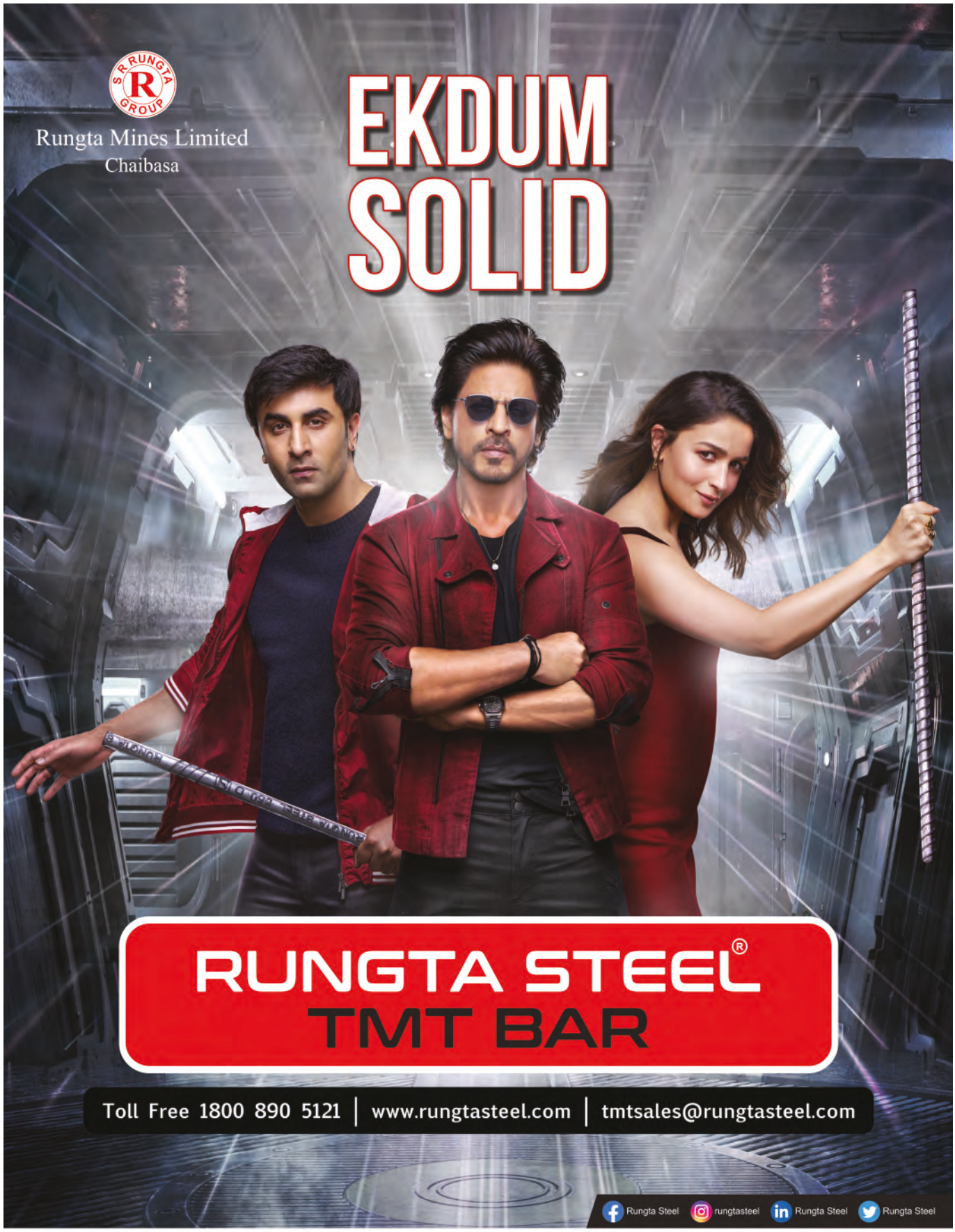

Rungta Office, Nagpur Parishad Complex, Chaibasa, Jharkhand-833201

CENTURYPLY®

CENTURYPLY®
CENTURYLAMINATES®
CENTURYVENEERS®
CENTURYDOORS®
CENTURYEXTERIA®
Decorative Exterior Laminates
CENTURYPVC®
CENTURYPARTICLEBOARD®
The Eco-friendly and Economical Board
CENTURYPROWUD®
*MDF-The **wood** of the future*
zykron
FIBRE CEMENT BOARDS & PLANKS
SAINIK 710
WATERPROOF PLY
SAINIK LAMINATES™
BOLD & BEAUTIFUL

CENTURY PLYBOARDS (INDIA) LTD.
Century House, P-15/1, Taratala Road, Kolkata - 700 088
For any queries, SMS 'CPIL' to 56070 or call us on **1800 5722 122**

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2024-2026
Date of Publication - 27th February, 2024
RNI Regd. No. 2866/1968

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com